■ RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 318 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 18-06-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 राहुल गांधी 'राजनीतिक बोझ' हैं, सहयोगियों को नहीं है उन पर कोई भरोसा : भाजपा
6 हल्दीघाटी के युद्ध में आदिवासी और भील समुदाय का योगदान
7 अमृता राव ने ठुकराईं सलमान-रणबीर जैसे बड़े सुपरस्टार्स की फिल्में

फर्स्ट टेक

राजस्थान में गोडावण पक्षियों की संख्या बढ़कर 94 हुई, तीन चूजे जन्मे

जैसलमेर/भाषा। तीन और चूजों के जन्म से राजस्थान में गोडावण पक्षियों की संख्या बढ़कर 94 हो गई है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। इसके अनुसार जैसलमेर जिले में प्रजनन केंद्रों पर गोडावण के तीन चूजे पैदा हुए हैं। इनमें से दो चूजों का जन्म कृत्रिम गर्भाधान से हुआ जबकि एक चूजा जंगल से सुरक्षित लाए गए अंडे से जन्मा। गोडावण या 'ग्रेट इंडियन बस्टर्ड' (जीआईबी) राजस्थान का 'राजकीय पक्षी' घोषित है और यह गंभीर रूप से लुप्तप्राय (क्रिटिकली एंडेंजर्ड) श्रेणी में आता है। इसे बचाने के प्रयासों के तहत साल 2018 में विशेष कार्यक्रम शुरू किया गया था।

श्रीलंका के भ्रष्टाचार रोधी आयोग ने पूर्व राष्ट्रपति के बेटे को गिरफ्तार किया

कोलंबो/भाषा। श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे के बेटे योशिता राजपक्षे को देश के भ्रष्टाचार रोधी आयोग ने बुधवार को भ्रष्टाचार के आरोपों में गिरफ्तार कर लिया। योशिता इस मामले में रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के लिए आयोग (सीआईएबीओसी) के समक्ष पेश हुए। राजपक्षे की तीन संतानों में से दूसरे नंबर के पुत्र योशिता को आयोग ने जांचकर्ताओं के समक्ष पेश होने के लिए समन जारी किया था। सीआईएबीओसी ने श्रीलंका नौसेना के पूर्व अधिकारी योशिता की गिरफ्तारी के कारणों की जानकारी देते हुए कहा कि यह मामला उनकी भर्ती और प्रशिक्षण प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं से जुड़ा है।

पुतिन ने आसियान देशों के नेताओं से व्यापारिक संबंध बढ़ाने की इच्छा जताई

मॉस्को/एपी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन बुधवार को दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (आसियान) के नेताओं की एक बैठक की मेजबानी कर रहे हैं, जिसका मकसद इस क्षेत्रीय समूह के सदस्यों के साथ व्यापार और अन्य संबंधों को मजबूत करना है। क्रेमलिन के विदेश मामलों के सलाहकार यूरी उशाकोव के अनुसार, कजान में हो रही दो दिवसीय बैठक में आसियान देशों के साथ रूस की ''रणनीतिक साझेदारी'' को बढ़ाने के तौर-तरीकों पर विचार किया जाएगा। आसियान में ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमा, फिलीपीन, सिंगापुर, थाईलैंड, पूर्वी तिमोर और वियतनाम शामिल हैं। उशाकोव ने कहा कि इस क्षेत्रीय समूह ने मॉस्को के साथ ''संवाद साझेदार'' के तौर पर संबंध बनाए रखे हैं।

18-06-2026 सूर्यास्त 6:47 बजे | 19-06-2026 सूर्योदय 5:54 बजे

BSE	NSE
77,155.62	24,085.70
(+347.14)	(+96.55)

सोना	चांदी
15,558 रु.	256,766 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

आवारा पशुधन

बाधित हैं सारे राजमार्ग,
सड़कों पर बैठा है पशुधन।
आवारा गौ और वत्स त्रस्त,
बिन मालिक फिरते हैं वन-वन।
पाले अब इनको कौन व्यर्थ,
पर्याप्त नहीं है संसाधन।
नित होती दुर्घटनाओं से,
आतंकित है सारा जन-मन।

जी-7 शिखर सम्मेलन के एक सत्र के दौरान

प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम एशिया संकट के प्रभाव को लेकर चिंता जताई

■ अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं को ऐसी सहायता व्यवस्थाएं बनानी चाहिए, जो विकासशील देशों को इन झटकों का सामना करने और उनकी आर्थिक मजबूती बनाए रखने में मदद करें।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

एवियॉन (फ्रांस)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कनेक्टिविटी और व्यापार में सहयोग बढ़ाने के लिए 'जी-7', भारत और 'ग्लोबल साउथ' देशों की क्षमताओं का इस्तेमाल करके एक वैश्विक व्यवस्था बनाने का बुधवार को सुझाव दिया। साथ ही उन्होंने विकासशील देशों पर पश्चिम एशिया संकट के दीर्घकालिक प्रभावों को लेकर चिंता भी जताई। उन्होंने फ्रांस के एवियॉन शहर में जी-7 शिखर सम्मेलन के एक सत्र के दौरान 'इंटरनेशनल मोबिलाइजेशन पार्टनरशिप फॉर एक्सलरेटिंग कनेक्टिविटी एंड ट्रेड' (इम्पैक्ट) नामक नई व्यवस्था बनाने का प्रस्ताव रखा।

मोदी ने जोर देकर कहा कि आधुनिक आर्थिक विकास को केवल व्यापार की मात्रा या सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़ों से नहीं मापा जा सकता।

उन्होंने कहा कि असली महत्व इस बात का है कि विकास किस दिशा में हो रहा है और उसका लाभ आखिर किसे मिल रहा है।

मोदी ने कहा कि पश्चिम एशिया के संकट का ईंधन, उर्वरक और खाद्य आपूर्ति शृंखलाओं पर पड़ने वाला प्रभाव ग्लोबल साउथ के देशों पर लंबे समय तक असर डालेगा। उन्होंने कहा कि सबसे कमजोर देशों पर भू-राजनीतिक संकटों का बोझ नहीं पड़ना चाहिए। उन्होंने कहा, यदि हम वास्तव में अंतरराष्ट्रीय एकजुटता को मजबूत करना चाहते हैं, तो इन संकटों का बोझ केवल सबसे कमजोर देशों पर नहीं पड़ना चाहिए।

मोदी ने कहा, हमारी अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं को ऐसी सहायता व्यवस्थाएं बनानी चाहिए, जो विकासशील देशों को इन झटकों का सामना करने और उनकी आर्थिक मजबूती बनाए रखने में मदद करें।

मोदी ने कहा कि इस नई व्यवस्था को महत्वाकांक्षी भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) की तर्ज पर बनाया जा सकता है। उन्होंने सवाल किया, आईएमईसी की तरह, क्या हम अफ्रीका, लातिन अमेरिका और प्रशांत द्वीप के देशों के साथ कनेक्टिविटी परियोजनाओं पर काम कर सकते हैं?

प्रधानमंत्री ने कहा, जी-7 की पूंजी, भारत की प्रतिभा और 'ग्लोबल साउथ' देशों की भागीदारी के जरिये हम कनेक्टिविटी और व्यापार को तेज करने के लिए 'इंटरनेशनल मोबिलाइजेशन पार्टनरशिप फॉर एक्सलरेटिंग कनेक्टिविटी एंड ट्रेड' (इम्पैक्ट) की स्थापना पर भी विचार कर सकते हैं। उन्होंने कहा, इसका उद्देश्य ऐसे गलियारे बनाना होना चाहिए, जो व्यापार, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा और अवसरों को आपस में जोड़ें।

आईएमईसी पहल को वर्ष 2023 में दिल्ली में हुए 'जी20' शिखर सम्मेलन के दौरान अंतिम रूप दिया गया था। इसे एक महत्वपूर्ण पहल माना जाता है, जिसमें सऊदी अरब, भारत, अमेरिका और यूरोप के बीच बड़े सड़क, रेल व समुद्री नेटवर्क बनाने की योजना है, ताकि

मोदी ने ट्रंप के समक्ष नाविकों की सुरक्षा का मुद्दा उठाया

एवियॉन (फ्रांस)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बातचीत के दौरान समुद्री नाविकों की सुरक्षा का मुद्दा उठाया और कहा कि अमेरिका तथा ईरान के बीच प्रस्तावित शांति समझौते में उनके संरक्षण के लिए प्रावधान होने चाहिए।

दोनों नेताओं ने पिछले एक साल में तनावपूर्ण रहे द्विपक्षीय संबंधों को सुधारने के लिए कदम उठाने की प्रतिबद्धता भी जताई।

दोनों नेताओं की यह मुलाकात फ्रांस के एक शहर में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन के इतर हुई। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब एक व्यापारिक जहाज पर अमेरिका के सैन्य हमले में तीन भारतीय चालक दल के सदस्यों की मौत को लेकर भारत में आक्रोश बढ़ रहा था। ट्रंप ने भारत को भरोसेमंद साझेदार बताते हुए कहा कि उसपर कोई हमला होने पर अमेरिका बचाव करेगा।

टेलीविजन पर प्रसारित बयान में प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम एशिया संघर्ष को समाप्त करने के प्रयासों के लिए ट्रंप की सराहना की और वैश्विक समुद्री क्षेत्रों में काम कर रहे लाखों भारतीय नाविकों की सुरक्षा का मुद्दा उठाया। प्रधानमंत्री ने आशा व्यक्त की कि ईरान के साथ होने वाले शांति समझौते में नाविकों की सुरक्षा के प्रावधान शामिल होंगे।

उन्होंने कहा, श्रीमान राष्ट्रपति, आप और मैं इस बात पर सहमत हैं कि होर्मुज जलडमरूमध्य को खुला रखना वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

मोदी ने जेलेंस्की से कहा

भारत हमेशा शांति के पक्ष में, मानवता को सर्वोपरि रखता है

एवियॉन (फ्रांस)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ बैठक के बाद कहा कि भारत हमेशा शांति के पक्ष में रहेगा और मानवता के मूल्यों को सर्वोपरि रखेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने फ्रांसीसी शहर एवियॉन में जी7 शिखर सम्मेलन के इतर राष्ट्रपति जेलेंस्की से मुलाकात की। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, एवियॉन में राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से मुलाकात की। हाल के दिनों में भारत और यूक्रेन के बीच व्यापक स्तर पर बातचीत हुई है। यह हमारे सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों में दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा, आज हमारी बातचीत हमारे सहयोग के विभिन्न पहलुओं की समीक्षा करने को लेकर थी। हम दोनों इस बात पर सहमत हैं कि व्यापारिक संबंधों को युद्ध-पूर्व के समय की तरह बहाल करने की आवश्यकता है। साथ ही इस बात को दोहराया कि भारत हमेशा शांति के पक्ष में रहेगा और मानवता के मूल्यों को सर्वोपरि रखेगा।

विकसित भारत के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है देश : शिवराज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ पिछले 12 वर्षों में देश में खाद्यान्न उत्पादन 71 प्रतिशत बढ़ा : शिवराज सिंह चौहान

पटना/भाषा। केंद्रीय ग्रामीण विकास तथा कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को कहा कि पिछले 12 वर्षों में देश में खाद्यान्न उत्पादन में 71 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

पटना में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में किसानों के हितों की रक्षा तथा खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने के उद्देश्य से अनेक कृषि सुधार और नीतियां लागू की गई हैं।

चौहान ने कहा, ''पिछले 12 वर्षों में देश में खाद्यान्न उत्पादन में 71 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। सरकार का ध्यान लगातार जन-आकांक्षाओं को पूरा करने पर केंद्रित रहा है। आदरणीय मोदी जी का यह 12 वर्षीय कार्यकाल भारत के पुनर्निर्माण और जन-आकांक्षाओं की पूर्ति का स्वर्णिम काल है।'' केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार का मंत्र 'सबका साथ, सबका विकास' ने गांवों, गरीबों, किसानों, महिलाओं और युवाओं के जीवन में व्यापक बदलाव लाया है।

चौहान ने कहा, ''हमारे प्रधानमंत्री ने जन-धन खातों से लेकर आयुष्मान भारत और प्रधानमंत्री आवास योजना से लेकर डिजिटल इंडिया क्रांति तक विकास और जनकल्याण की नई गाथा लिखी है। मोदी जी के नेतृत्व में देश विकसित भारत के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है।'' उन्होंने बताया कि 'विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण)' (वीबी-जीआरएएमजी) को इस वर्ष एक जुलाई से देशभर में लागू किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत लंबित सभी भुगतानों का निपटारा 30 जून से पहले कर दिया जाएगा।

बेंगलूरु में देह व्यापार के आरोप में चार महिलाओं समेत छह लोग गिरफ्तार

बेंगलूरु/भाषा। बेंगलूरु में किराए के मकानों और एक स्पा से कथित तौर पर देह व्यापार से जुड़े गिरोह के संचालन के आरोप में छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें चार महिलाएं शामिल हैं। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि केंद्रीय अपराध शाखा (सीसीबी) के महिला सुरक्षा दस्ते द्वारा कामाक्षीपाल्य, केआर पुरम, कुमारस्वामी लेआउट, हेन्नूर और वरथुर में अलग-अलग स्थानों पर की गई छापेमारी के बाद ये गिरफ्तारियां की गईं। इसने कहा कि गिरफ्तार किए गए छह आरोपियों में दो पुरुष और चार महिलाएं शामिल हैं, जिन पर महिलाओं को जबरन देह व्यापार में धकेलने का आरोप है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि इस दौरान देह व्यापार में शामिल सात महिलाओं को भी बचाया गया।

हमारे बच्चों को दबाती व कुचलती है देश की शिक्षा प्रणाली : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को देश की शिक्षा प्रणाली की प्रासंगिकता पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह हमारे बच्चों को दबाती और कुचलती है जो देश के लिए सही नहीं है।

गांधी ने 'कोचिंग हब' के रूप में विख्यात कोटा शहर में छात्रों के साथ संवाद कार्यक्रम 'छात्रों की गूंज' में देश की शिक्षा प्रणाली को बदलने पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ''हिंदुस्तान की शिक्षा प्रणाली अपने बच्चों को 'प्रेशराइज' (दबाव में) करता है। यह उन्हें 'स्ट्रेस' (तनाव) देता है। यह बच्चों को दबाता और कुचलता है, जो देश के भविष्य के लिए बिल्कुल सही नहीं है।''

उन्होंने कहा, ''मैं चाहता हूं कि हम सब मिलकर इसके खिलाफ लड़ाई लड़ें, ताकि आगे से किसी भी बच्चे को 'आत्मघाती' कदम न उठाना पड़े।''

इससे पहले राहुल गांधी ने कहा कि उनकी छात्रों युवाओं के साथ इस संवाद का मकसद राजनीतिक नहीं है। उन्होंने कहा, ''यह कोई राजनीतिक बैठक नहीं है। इसमें भारत की शिक्षा प्रणाली पर चर्चा होगी कि इसमें क्या कमियां हैं और क्या सुधार करने की जरूरत है।'' उन्होंने कहा, ''यह बैठक आपके बारे में है, उन युवाओं के बारे में है जो अपना भविष्य बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। यह शाम आपके बारे में है, उन चुनौतियों के बारे में जिनका आप हर दिन सामना कर रहे हैं।

अमेरिका ने भारत का गलत मानचित्र दर्शाया

'हिंद-प्रशांत कमान' का नाम बदला

वॉशिंगटन/भाषा। अमेरिका ने अपने आठ साल पुराने फैसले को पलटते हुए अमेरिकी हिंद-प्रशांत कमान का नाम बदलकर फिर से अमेरिकी प्रशांत कमान (यूएसपीएकॉम) कर दिया है।

अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को इस फैसले की घोषणा करते हुए कहा कि अमेरिकी प्रशांत कमान नाम 1947 में तत्कालीन राष्ट्रपति हैरी एस. ट्रूमैन द्वारा स्थापित कमान की ऐतिहासिक जड़ों का सम्मान करता है। इसके अलावा, प्रशांत कमान की वेबसाइट पर मौजूद ''जिम्मेदारी वाले इलाके'' के मानचित्र ने देश में राजनीतिक प्रतिक्रियाएं पैदा कर दी हैं। इसमें भारत की सीमाओं को सही रूप में नहीं दिखाया गया है। मानचित्र में, पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) और अक्साई चिन को भारत का हिस्सा नहीं दिखाया गया है।

वेबसाइट के जिस हिस्से में गलत मानचित्र है, वहां यह जानकारी दी गई है कि संबंधित वेब पेज को आखिरी बार मार्च में अद्यतन किया गया था। नई दिल्ली का कहना है कि 1947 में भारत में जम्मू कश्मीर के ''पूर्ण, कानूनी और अपरिवर्तनीय विलय'' होने के कारण जम्मू कश्मीर और लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा हैं।

भारत-ब्रिटेन एफटीए 15 जुलाई से लागू होगा : मोदी एवं स्टार्मर

एवियॉन (फ्रांस)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ब्रिटिश प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर ने दोनों देशों के बीच हुए व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए) के 15 जुलाई, 2026 से लागू होने की बुधवार को घोषणा की। फ्रांस के एवियॉन शहर में आयोजित जी7 शिखर सम्मेलन के इतर दोनों नेताओं की बैठक के एक दिन बाद यह घोषणा की गई। यह समझौता लगभग एक साल पहले जुलाई, 2025 में मोदी की लंदन यात्रा के दौरान किया गया था। प्रधानमंत्री मोदी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि यह समझौता भारत-ब्रिटेन संबंधों के लिए 'ऐतिहासिक मील का पत्थर' है और इससे द्विपक्षीय व्यापार एवं निवेश को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह करार किसानों, श्रमिकों, सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई), स्टार्टअप और नवाचार क्षेत्र के लिए नए अवसर पैदा करेगा। ब्रिटिश सरकार की तरफ से जारी विवरण के अनुसार, समझौते में व्हिस्की पर शुल्क 150 प्रतिशत से घटाकर 40 प्रतिशत किया जाएगा, जबकि वाहनों पर शुल्क को कोटा व्यवस्था के तहत 100 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत किया जाएगा।

ड्यूटी के दौरान पुलिसकर्मियों का रील बनाना अनुशासनहीनता है : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को पुलिसकर्मियों को ड्यूटी के दौरान सोशल मीडिया रील बनाने के प्रति आगाह करते हुए कहा कि इस तरह के कृत्य अनुशासनहीनता हैं और बल की गरिमा को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

लखनऊ में एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती और प्रोन्नति बोर्ड द्वारा भर्ती किए गए 930 कंप्यूटर ऑपरेटरों (ग्रेड-ए) को नियुक्ति पत्र वितरित किए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि पुलिस बल के प्रत्येक सदस्य को ड्यूटी पर ध्यान केंद्रित रखना चाहिए और आत्म-अनुशासन बनाए रखना चाहिए। उन्होंने कहा, ''याद रखें, ऐसा तभी हो सकता है जब आप आत्म-अनुशासन की भावना बनाए रखें। हम अक्सर देखते हैं कि ड्यूटी के दौरान कई लोग रील बनाते रहते हैं। यह अनुशासनहीनता का हिस्सा है। उस समय ड्यूटी के प्रति सतर्क रहना होता है, रील नहीं बनाना होता।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिसकर्मियों को अपने काम से जुड़ी जिम्मेदारी के प्रति सचेत रहना चाहिए और ऐसे कार्यों से बचना चाहिए जो बल को उपहास का विषय बना सकते हैं। उन्होंने कहा, हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि हम जो काम करते हैं, उसमें समान स्तर की सतर्कता और गंभीरता की आवश्यकता होती है। गरिमा के साथ किया गया हर काम परिणाम देता है। किसी को भी ऐसा कुछ नहीं करना चाहिए जो अनावश्यक रूप से हमें हंसी का विषय बना दे।''

टेलीग्राम ने दिल्ली उच्च न्यायालय का किया रुख

नई दिल्ली/भाषा। संदेश ऐप टेलीग्राम ने सरकार के ऐप पर अस्थायी प्रतिबंध के फैसले के खिलाफ बुधवार को दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख किया। न्यायमूर्ति तेजस करिया की अवकाश पीठ के समक्ष मामला रखा गया और उन्होंने इसे तत्काल सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया। मामले की सुनवाई शीघ्र होने की संभावना है। टेलीग्राम के वकील ने अदालत को बताया कि मंगलवार को केंद्र की कार्रवाई से 15 करोड़ से अधिक उपयोगकर्ता प्रभावित हुए हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (मेइटी) ने राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) की सिफारिशों पर सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 69ए के तहत भारत में 22 जून, 2026 तक सीमित अवधि के लिए टेलीग्राम की पहुंच प्रतिबंधित करने का निर्देश जारी किया है।

मंधाना और शेफाली चमकीं, भारत ने नीदरलैंड को 95 रन से हराया

लीड्स/भाषा। भारतीय महिला क्रिकेट टीम बुधवार को यहां स्मृति मंधाना (74 रन), शेफाली वर्मा (55 रन, 20 रन देकर तीन विकेट) और गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत महिला टी20 विश्व कप के अपने दूसरे मैच में नीदरलैंड को 95 रन से शिकस्त देकर ग्रुप एक में शीर्ष पर पहुंच गई।

बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद मंधाना (47 गेंद में 11 चौके और एक छक्का) और शेफाली (38 गेंद, 10 चौके) ने नीदरलैंड के कमजोर गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ाते हुए पहले विकेट के लिए 115 रन की साझेदारी निभाई। इससे भारतीय टीम पांच विकेट पर 209 रन का स्कोर खड़ा कर विश्व कप इतिहास में सबसे बड़ा स्कोर बनाने में कामयाब रही।

जवाब में नीदरलैंड की टीम 17.3 ओवर में 114 रन पर ढेर हो गई। यह उसकी लगातार दूसरी हार थी। उसके लिए कप्तान बाबेटे डि लीडे 27 गेंद में 28 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहीं।

इलेक्ट्रॉनिक्स को देश का दूसरा सबसे बड़ा निर्यात क्षेत्र बनाने का लक्ष्य: अश्विनी वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

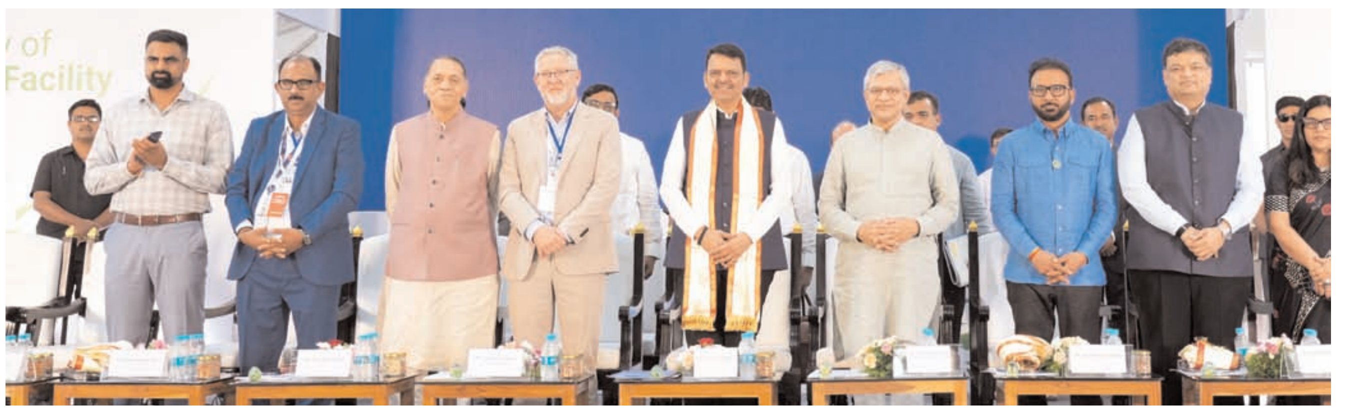

पुणे/भाषा। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कहा कि भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन का आकार लगभग 13 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है और अब इसे देश का दूसरा सबसे बड़ा निर्यात क्षेत्र बनाने का लक्ष्य रखा जाना चाहिए।

इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण सेवा (ईएमएस) कंपनी जेबिल के नए संयंत्र के उद्घाटन समारोह में वैष्णव ने यह भी घोषणा की कि देश में दो और सेमीकंडक्टर संयंत्र इस वर्ष वाणिज्यिक उत्पादन शुरू कर देंगे। उन्होंने कहा, ''आज हमारे देश में 13 लाख करोड़ रुपए का इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण उद्योग है। कुछ वर्ष पहले तक भारत से इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात की कल्पना भी नहीं की जाती थी।'' मार्च, 2026 तक देश में इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन लगभग 12 लाख करोड़ रुपए और इस क्षेत्र का निर्यात 3.3 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान था। वैष्णव ने कहा कि पहले इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात को असंभव माना जाता था। उन्होंने कहा, ''शुरुआत में शीर्ष 10 निर्यात श्रेणियों में शामिल होना लक्ष्य था। पिछले वर्ष 2025 में इलेक्ट्रॉनिक्स देश की तीसरी सबसे बड़ी निर्यात श्रेणी बन गया। लेकिन अब हमें अगला लक्ष्य तय करना होगा। हमें इसे दूसरी सबसे बड़ी निर्यात श्रेणी बनाना है।''

वैष्णव ने कहा कि इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों, उद्योग जगत तथा युवा प्रतिभाओं को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि देश में दो सेमीकंडक्टर संयंत्र पूरी तरह वाणिज्यिक परिचालन शुरू कर चुके हैं और दो अन्य संयंत्र भी इस वर्ष उत्पादन शुरू कर देंगे।

मंत्री ने कहा, ''दो संयंत्रों में उत्पादन पहले ही शुरू हो चुका है और वे पूरी क्षमता से काम कर रहे हैं। तीसरे संयंत्र का उद्घाटन जुलाई में होगा और दिसंबर तक चौथा सेमीकंडक्टर संयंत्र भी पूरी तरह वाणिज्यिक उत्पादन शुरू कर देगा।''

नेशनल कॉन्फ्रेंस के सांसद केंद्र में राजग सरकार का समर्थन नहीं करेंगे: मुख्यमंत्री उमर

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के सांसद केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार का समर्थन नहीं करेंगे। तृणमूल कांग्रेस और शिवसेना के धड़ों द्वारा केंद्र सरकार का समर्थन किए जाने की खबरों पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में अब्दुल्ला ने कहा कि वे ऐसा क्यों कर रहे हैं, इस पर वह कोई टिप्पणी नहीं कर सकते। अब्दुल्ला ने बांदीपुरा में पत्रकारों से बातचीत में कहा, ''इस सवाल का जवाब न तो मैं दे सकता हूं और न ही आप। मैं कैसे कह सकता हूं कि द्रमुक या शिवसेना के सांसद क्या करेंगे? यह उन पर निर्भर करता है। यह उनकी अंतरात्मा पर निर्भर करता है। उनकी अंतरात्मा उन्हें जहां तक ले जाएगी, वे वहां तक जाएंगे।'' लोकसभा में नेशनल कॉन्फ्रेंस के दो और राज्यसभा में तीन सदस्य हैं। अब्दुल्ला ने कहा, ''जहां तक नेकां के सांसदों का सवाल है, हम भाजपा के नेतृत्व वाली राजग सरकार का कभी समर्थन नहीं करेंगे।'' मुख्यमंत्री जिले में विकास कार्यों की प्रगति और प्रमुख सरकारी कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की समीक्षा बैठक के लिए बांदीपुरा में थे। उन्होंने जिले में जारी परियोजनाओं, विभिन्न विभागों के कामकाज (प्रगति) और सार्वजनिक सेवाओं की उपलब्धता की समीक्षा की।

शाह ने साइबरक्राइम हेल्पलाइन पर एआई के इस्तेमाल, कई भाषाओं में मदद की सुविधा का निर्देश दिया

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को नेशनल साइबरक्राइम हेल्पलाइन-1930 के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के इस्तेमाल और कई भाषाओं में मदद की सुविधा तथा हर शिकायत का सही समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

शाह ने एक समीक्षा बैठक में हेल्पलाइन को बेहतर बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को हेल्पलाइन पर रिपोर्ट करना आसान बनाने और एआई के इस्तेमाल तथा कई भाषाओं में सहायता की सुविधा मुहैया कराने को कहा। गृह मंत्री ने एजेंसियों को राज्यों के साथ समन्वय बनाकर काम करने का निर्देश दिया, ताकि हेल्पलाइन पर आने वाली प्रत्येक शिकायत को उसके तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचाया जा सके। उन्होंने बैंक खातों पर रोक लगाए जाने से उत्पन्न होने वाली शिकायतों और समस्याओं के समाधान पर भी विशेष ध्यान देने को कहा।

उच्च शिक्षा के लिए बजट अपर्याप्त, जीडीपी का छह प्रतिशत शिक्षा पर खर्च हो: संसदीय समिति

नई दिल्ली/भाषा। संसद की एक समिति ने उच्च शिक्षा के लिए मौजूदा बजटीय आवंटन को ''अपर्याप्त'' करार दिया है और अनुशंसा की है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के अनुरूप शिक्षा पर व्यय बढ़ाकर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का छह प्रतिशत किया जाए।

राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह की अध्यक्षता वाली शिक्षा, महिला, बाल, युवा एवं खेल संबंधी संसदीय स्थायी समिति ने मंगलवार को उच्च शिक्षा विभाग की वर्ष 2025-26 की अनुदान मांगों पर आधारित अपनी 364वीं रिपोर्ट में की गई सिफारिशों पर कार्रवाई संबंधी 381वीं रिपोर्ट राज्यसभा के सभापति सी. पी. राधाकृष्णन को सौंपी। समिति ने कहा कि वर्ष 2024-25 के बजट अनुमान की तुलना में वर्ष 2025-26 के लिए उच्च शिक्षा विभाग के बजट आवंटन में हुई प्रतिशत वृद्धि पिछले साल के मुकाबले कम रही। रिपोर्ट में कहा गया, ''समिति का मानना है कि देश में मुद्रास्फीति के चलन को देखते हुए उच्च शिक्षा विभाग के मौजूदा व्यय स्तर को बनाए रखने तथा उच्च शिक्षा क्षेत्र के वास्तविक आवंटन एवं व्यय में कमी से बचने के लिए बजटीय आवंटन में आठ से 10% की वृद्धि होनी चाहिए, ताकि मुद्रास्फीति के प्रभाव की भरपाई की जा सके।''

लॉरी चालक ने महिला को यौन उत्पीड़न से बचाया, पांच गिरफ्तार

कोच्चि/भाषा। केरल के मुवाट्टुपुझा के पास पांच लोगों द्वारा 25 वर्षीय महिला का यौन उत्पीड़न करने के प्रयास को एक प्रवासी श्रमिक ने विफल कर उसे बचा लिया। पुलिस के अनुसार, 'स्पा' में काम करने वाली महिला 14 जून की रात घर लौट रही थी, तभी मोटरसाइकिलों पर सवार पांच लोग उसका पीछा करने लगे। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने महिला का यौन उत्पीड़न करने का प्रयास किया। जब महिला ने वहां से भागने की कोशिश की तो आरोपियों ने अपनी मोटरसाइकिलों से उसे टक्कर मारने का प्रयास भी किया। इसी दौरान एक राहगीर ने महिला की मदद करते हुए एक लॉरी रुकवाई और उसे उसमें बिठाया ताकि वह आरोपियों से बच सके। पुलिस के मुताबिक, लॉरी चालक ने आरोपियों की धमकियों के बावजूद वाहन को नहीं रोका और इस दौरान आरोपी लगातार लॉरी का पीछा करते रहे।

मध्यप्रदेश में मानसून सत्र में पारित होगा यूसीसी विधेयक: मोहन यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बुधवार को कहा कि राज्य में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने के लिए विधानसभा के आगामी मानसून सत्र में विधेयक पेश किया जाएगा। उन्होंने विश्वास जताया कि बाबा महाकाल के आशीर्वाद से यह विधेयक इसी सत्र में पारित हो जाएगा।

पूर्व मुख्यमंत्री कैलाश नाथ काटजू की जयंती पर विधानसभा परिसर में आयोजित श्रद्धांजलि समारोह के बाद पत्रकारों से बातचीत में यादव ने यह बात कही।

यह पूछे जाने पर कि क्या सरकार मानसून सत्र में यूसीसी विधेयक पेश करेगी, मुख्यमंत्री ने कहा कि विधानसभा के आगामी सत्र में सरकार कई महत्वपूर्ण और समसामयिक विषयों को लेकर आ रही है। उन्होंने कहा, ''समान नागरिक संहिता को भी इसी सत्र में प्रस्तुत किया जाएगा। बाबा महाकाल की कृपा से यूसीसी विधेयक इसी सत्र में पारित होगा।'' मध्यप्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होगा जिसका समापन 24 जुलाई को होगा। विधानसभा सचिवालय ने मंगलवार को इसकी अधिसूचना जारी कर दी।

प्रस्तावित पांच दिवसीय इस सत्र में 2026-27 का पहला अनुपूरक बजट पेश किए जाने के साथ कई महत्वपूर्ण विधेयकों और संशोधन प्रस्तावों पर चर्चा होने की संभावना है। मुख्यमंत्री यादव ने जून के पहले सप्ताह में भी कहा था कि राज्य में जल्द ही समान नागरिक संहिता लागू की जाएगी। सरकार ने इस संबंध में उच्चतम न्यायालय के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में छह सदस्यीय समिति गठित की है। सरकार के अनुसार, समिति विभिन्न जिलों का दौरा कर सभी धर्मों के लोगों से सुझाव प्राप्त कर रही है।

यादव ने कहा, ''समिति की रिपोर्ट का संकलन होने के बाद हम चाहेंगे कि समान नागरिक संहिता जल्द से जल्द मध्यप्रदेश में लागू हो। राज्य की भी यही इच्छा है कि इसे लागू किया जाए।''

यूसीसी को लेकर एक वेबसाइट भी शुरू की गई है और मुख्यमंत्री ने लोगों से अपने सुझाव साझा करने की अपील की है।

वहीं, कांग्रेस ने यूसीसी को लेकर चिंता जताई है। पार्टी का कहना है कि यह आदिवासी समाज की पहचान, परंपराओं और संवैधानिक अधिकारों के लिए गंभीर खतरा बन सकता है।

पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस की प्रदेश इकाई के मीडिया प्रभारी मुकेश नायक ने आरोप लगाया कि सरकार समानता के नाम पर समाज को बांटने की कोशिश कर रही है।

टेलीग्राम पर रोक मोदी सरकार का एक दिखावटी कदम : रमेश

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने केंद्र सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि 'टेलीग्राम' पर अस्थायी रोक को उन अनेक 'बनावटी कदमों' की शृंखला की एक कड़ी है, जिनमें सरकार पिछले महीने नीट-यूजी परीक्षा रद्द होने के बाद से उलझी हुई है।

रमेश ने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि 'टेलीग्राम' की बजाय 'टेलीप्रॉम्प्टर' पर रोक लगाना कहीं अधिक जरूरी है। उन्होंने दावा किया, ''वैज्ञानिक मामलों पर प्रधानमंत्री के सबसे भरोसेमंद व्यक्ति और एक प्रतिष्ठित गणितज्ञ को 'जेन-ज़ी' के युवा कठघरे में खड़ा कर रहे हैं।'' रमेश ने कहा कि यह उस स्थिति का परिणाम है, जब कोई व्यक्ति एक ऐसी सरकार का ढोल पीटने लगता है जो अक्षम, अहंकारी है और सुशासन की बजाय दिखावटी कदमों में अधिक रुचि रखती है। उन्होंने कहा, ''टेलीग्राम पर प्रतिबंध भी उन अनेक दिखावटी कदमों (प्रश्नपत्रों को वायुसेना के विमान से पहुंचाना, यह घोषणा करना कि प्रधानमंत्री स्वयं स्थिति की निगरानी कर रहे हैं) की सूची में शामिल हो गया है, जिनमें नीट-यूजी परीक्षा पिछले महीने रद्द होने के बाद से मोदी सरकार व्यस्त रही है। 'टेलीग्राम' की बजाय 'टेलीप्रॉम्प्टर' पर प्रतिबंध लगाना अधिक जरूरी है।''

प्रधानमंत्री पीएम-विकसित भारत रोजगार योजना के तहत 2,400 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि वितरित करेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को दिल्ली में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना (पीएम-वीबीआरवाई) के तहत लगभग 2,400 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि वितरित करेंगे।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि यह वितरण प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना (पीएम-वीबीआरवाई) के क्रियान्वयन में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है।

यह केंद्र सरकार की प्रमुख रोजगार-आधारित प्रोत्साहन योजना है, जिसका उद्देश्य रोजगार सृजन में तेजी लाना, रोजगार के औपचारिकीकरण को बढ़ावा देना, रोजगार पात्रता बढ़ाना और विभिन्न क्षेत्रों में सामाजिक सुरक्षा के दायरे का विस्तार करना है।

योजना के तहत अब तक देशभर में 15 लाख रोजगार के अवसर सृजित किए जा चुके हैं।

पीएम-वीबीआरवाई का उद्देश्य पहली बार नौकरी पाने वाले युवाओं तथा नए रोजगार सृजित करने वाले नियोक्ताओं को वित्तीय प्रोत्साहन देकर औपचारिक रोजगार को बढ़ावा देना है।

योजना के तहत पहली बार नौकरी पाने वाले कर्मचारियों को 15,000 रुपए तक की प्रोत्साहन राशि दी जाती है।

वहीं अतिरिक्त रोजगार उपलब्ध कराने वाले नियोक्ताओं को प्रत्येक अतिरिक्त कर्मचारी के लिए प्रति माह 3,000 रुपए तक का प्रोत्साहन मिलता है।

बयान में कहा गया है कि आर्थिक वृद्धि में विनिर्माण क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए इस क्षेत्र के नियोक्ताओं को चार वर्ष तक प्रोत्साहन राशि दी जाएगी, जबकि अन्य क्षेत्रों के नियोक्ता दो वर्ष तक इस लाभ का फायदा उठा सकेंगे।

पीएम-वीबीआरवाई एक अगस्त, 2025 से लागू हुई थी। 99,446 करोड़ रुपए के कुल परिव्यय वाली इस योजना का लक्ष्य दो वर्षों में 3.5 करोड़ से अधिक रोजगार अवसरों के सृजन को प्रोत्साहित करना है।

गुजरात को शिक्षा के क्षेत्र में भी निश्चित रूप से अव्वल बनना चाहिए: पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गांधीनगर/भाषा। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने बुधवार को कहा कि राज्य ने कई क्षेत्रों में शीर्ष स्थान हासिल किया है, लेकिन उसे सभी बच्चों का स्कूल में दाखिला सुनिश्चित करने के साथ-साथ अच्छी शिक्षा देकर शिक्षा के क्षेत्र में भी अव्वल बनने की कोशिश करनी चाहिए।

गांधीनगर में होने वाले 'शाला प्रवेशोत्सव' (स्कूल दाखिला अभियान) और 'कन्या केलवणी महोत्सव' कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुए पटेल ने कहा कि गुजरात ने 100 प्रतिशत दाखिला हासिल कर लिया है और स्कूल छोड़ने वालों की दर घटकर एक प्रतिशत रह गई है लेकिन अब ध्यान सीखने के नतीजों को बेहतर बनाने पर होना चाहिए। शिक्षकों को संबोधित करते हुए पटेल ने कहा, ''गुजरात लगभग हर क्षेत्र में नंबर एक है। यह जरूरी है कि हम शिक्षा के क्षेत्र में भी नंबर एक बनें।'' उन्होंने सालाना दाखिला अभियान में शामिल अधिकारियों और शिक्षकों से कहा कि वे यह सुनिश्चित करें कि कोई भी बच्चा स्कूल जाने से न छूटे और 'निपुण गुजरात' कार्यक्रम के तहत छात्र पढ़ने, लिखने एवं गणित में माहिर बनें। पटेल ने कहा कि 'शाला प्रवेशोत्सव' को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2003 में गुजरात का मुख्यमंत्री रहते हुए शुरू किया था। उन्होंने कहा कि अब यह कार्यक्रम अपने 24वें साल में प्रवेश कर चुका है। उन्होंने कहा, ''स्कूल छोड़ने वालों की दर घटकर एक प्रतिशत रह गई है और दाखिला 100 प्रतिशत तक पहुंच गया है। अब हमारा ध्यान बाकी बची कमी को पूरा करने और यह पक्का करने पर होना चाहिए कि हर बच्चा स्कूल में बना रहे।''

पटेल ने कहा कि भले ही बुनियादी ढांचा और दाखिले के आंकड़ों में काफी सुधार हुआ है लेकिन अब राज्य को 'गुणोत्सव' जैसी पहलों के जरिए शिक्षा की गुणवत्ता पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा, ''अक्सर ऐसी शिकायतें सुनने को मिलती हैं कि उच्च प्राथमिक कक्षाओं के छात्र ठीक से पढ़ या लिख नहीं पाते हैं। हमें इस स्थिति से बाहर निकलना होगा। हमारा ध्यान इस बात पर होना चाहिए कि छात्र जरूरी योग्यता हासिल करें।''

शिवसेना (उबाठा) में बगावत के संकेत

पार्टी नेताओं और बागियों ने की बिरला से अलग-अलग भेंट

नई दिल्ली/भाषा। तृणमूल कांग्रेस में बगावत के बाद अब शिवसेना (उबाठा) में भी छह सांसदों के बागी होने के संकेत बुधवार को स्पष्ट रूप से सामने आ गए, जब पार्टी के प्रमुख नेताओं और बागियों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से अलग-अलग मुलाकात कर अपना पक्ष रखा। पार्टी के लोकसभा सदस्य अरविंद सावंत एवं अनिल देसाई और राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने लोकसभा अध्यक्ष से आग्रह किया कि इस मामले में कोई भी फैसला नियमों, कानून, संविधान और उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप होना चाहिए।

दूसरी तरफ, शिवसेना (उबाठा) के बागी नेताओं के समूह ने बिरला से मुलाकात की और दावा किया कि उन्हें लोकसभा में पार्टी के नौ सांसदों में से छह का समर्थन प्राप्त है। बागियों के साथ बैठक में क्या चर्चा हुई, इस बारे में आधिकारिक तौर पर कोई जानकारी नहीं दी गई वहीं, उद्धव ठाकरे के करीबी और राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने कहा कि पार्टी को किसी भी सांसद की ओर से सत्तारूढ़ शिवसेना में शामिल होने की सूचना नहीं मिली है, हालांकि उनका दावा है कि हर सांसद को 50 करोड़ रुपए का प्रलोभन दिया गया है। शिवसेना (उबाठा) ने सभी सांसदों को तीन लाइन का व्हिप जारी कर बृहस्पतिवार को संसदीय दल की बैठक में उपस्थित रहने के लिए कहा है। बिरला से मुलाकात के बाद राउत ने कहा, कल से मैं देख रहा हूं कि हमारी पार्टी के कुछ लोगों को लेकर ऐसी खबरें चलाई जा रही हैं कि कुछ सांसद अलग समूह बनाने की कोशिश कर रहे हैं और लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात करने वाले हैं।

एसीसी सीमेंट उत्पादन क्षमता का संतुलित ढंग से विस्तार जारी रखेगी: करण अदाणी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सीमेंट उत्पादक एसीसी लिमिटेड के चेयरमैन करण अदाणी ने कहा है कि कंपनी उत्पादन क्षमता का संतुलित ढंग से विस्तार जारी रखने के साथ रेडी-मिक्स कंक्रीट (आरएमसी) कारोबार को मजबूत करने और कम उत्सर्जन वाली प्रौद्योगिकियों को अपनाने पर जोर देगी।

करण अदाणी ने कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट में शेयरधारकों को दिए संदेश में कहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था का दीर्घकालिक परिदृश्य मजबूत बना हुआ है, लेकिन निकट अवधि में 'मध्यम' मांग रहने की संभावना को देखते हुए संतुलित एवं अनुशासित वृद्धि रणनीति की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, हम सीमेंट क्षमता का विस्तार संतुलित तरीके से जारी रखेंगे, रेडी-मिक्स कंक्रीट की पहुंच बढ़ाएंगे, लॉजिस्टिक नेटवर्क में एकीकरण को मजबूत करेंगे और कम कार्बन उत्सर्जन वाली प्रौद्योगिकियों को तेजी से अपनाएंगे।

उन्होंने कहा कि भारत अब भी सीमेंट खपत के शुरुआती चरण में है और इसकी प्रति व्यक्ति खपत वैश्विक औसत से कम होने से इस क्षेत्र में दीर्घकालिक वृद्धि की पर्याप्त संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा, ''सरकारी पूंजीगत व्यय बढ़कर 12 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है, जो सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का करीब 4.4 प्रतिशत है। देश में शहरी आवास, लॉजिस्टिक नेटवर्क, नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता और औद्योगिक ढांचे का विस्तार हो रहा है।''

अदाणी ने कहा कि वृद्धि के इन कारकों के चलते निर्माण सामग्री से जुड़ी कंपनियों को पारंपरिक जिंस आपूर्तिकर्ता से आगे बढ़कर एकीकृत समाधान प्रदाता के रूप में विकसित होना होगा। उन्होंने कहा कि एसीसी और अदाणी समूह का सीमेंट कारोबार अब एक समन्वित औद्योगिक नेटवर्क के रूप में कार्य कर रहा है, जिसमें ऊर्जा, लॉजिस्टिक, बुनियादी ढांचा और डिजिटल क्षमताओं का एकीकरण शामिल है।

'लैटरल एंट्री' स्थगित नहीं की गई है; परामर्श जारी : केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बुधवार को कहा कि 'लैटरल एंट्री' को स्थगित नहीं किया गया है और सभी हितधारकों के साथ परामर्श जारी है।

'लैटरल एंट्री' का अभिप्राय सरकारी विभागों में विशेषज्ञों (जिनमें निजी क्षेत्र के विशेषज्ञ भी शामिल हैं) की नियुक्ति से है।

लैटरल एंट्री की स्थिति के बारे में पूछे जाने पर सिंह ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''इस प्रक्रिया को स्थगित करने का कोई आदेश नहीं है।''

मंत्री 'कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय की 12 वर्षों की उपलब्धियों' पर संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। लैटरल एंट्री के तहत भरी जाने वाली रिक्तियों के लिए आरक्षण का प्रावधान न होने को लेकर हुए राजनीतिक विवाद के बीच, संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने अगस्त 2024 में सरकारी विभागों में इस प्रक्रिया के माध्यम से अहम पदों पर नियुक्तियां करने के लिए जारी अपना विज्ञापन रद्द कर दिया था।

कार्मिक राज्य मंत्री सिंह ने कहा कि परामर्श सिर्फ संबंधित मंत्रालयों के साथ ही नहीं, बल्कि (इससे जुड़े) सभी लोगों के साथ भी हो रहा है।

कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) की सचिव रचना शाह ने बताया कि लैटरल एंट्री तीन चरणों में की गई और अलग-अलग विभागों में 63 अधिकारियों की नियुक्ति की गई। उन्होंने संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा, ''उनमें से दो-तिहाई लोग अभी भी पदस्थ हैं और (विशेषज्ञ के तौर पर) योगदान दे रहे हैं।'' सचिव ने कहा कि लैटरल एंट्री सरकार की एक अहम पहल है और इस पर नियमित रूप से परामर्श हो रहा है।

प्रश्न पत्र लीक होने की घटनाएं रोकने का केंद्र का कोई इरादा नहीं : अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) 2026 की दोबारा परीक्षा से पहले 'टेलीग्राम' ऐप तक पहुंच अस्थायी रूप से प्रतिबंधित करने के केंद्र के फैसले को बुधवार को ''बेतुका'' करार दिया और दावा किया कि प्रश्नपत्र लीक को रोकने की सरकार की कोई मंशा नहीं है।

केंद्र सरकार ने नीट-यूजी 2026 की पुनः परीक्षा से पहले मंगलवार को 'टेलीग्राम' ऐप पर अस्थायी प्रतिबंध लगा दिया। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने कहा कि यह कदम नकल कराने वाले गिरोहों और दुष्प्रचार से निपटने के लिए उठाया गया है।

एचडी कुमारस्वामी का डीके शिवकुमार पर तीखा हमला, कहा-

छवि खराब करने वाले पोस्टरों के पीछे कांग्रेस का हाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री तथा जेडी(एस) नेता एच.डी. कुमारस्वामी ने बुधवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके और उनके परिवार के खिलाफ लगाए जा रहे बदनाम करने वाले पोस्टरों के पीछे सत्तारूढ़ कांग्रेस का समर्थन है। पत्रकारों से बातचीत में कुमारस्वामी ने कहा कि उन्हें उम्मीद थी कि शिवकुमार के मुख्यमंत्री बनने के बाद ऐसी गतिविधियां बंद हो जाएंगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने कहा, मुझे लगा था कि मुख्यमंत्री बनने के बाद, अश्लील फ़िल्मों का प्रोपेगैंडा फैलाने और बदनाम करने वाले पोस्टर लगाने जैसी गतिविधियां बंद हो जाएंगी। लेकिन वह सोच नहीं बदली है। कुमारस्वामी ने उन पोस्टरों का जिक्र किया जिनमें दावा किया गया था कि उनके और उनके बेटे निखिल कुमारस्वामी के पास 100 एकड़ जमीन है। उन्होंने इन आरोपों को भ्रामक और राजनीति से प्रेरित बताया। उन्होंने कहा, पोस्टरों में लिखा गया है कि मेरे और निखिल के पास 100 एकड़ जमीन है। मैंने करीब 40 साल पहले अपनी मेहनत से 46 एकड़ जमीन खरीदी थी। इसके अलावा मेरे नाम पर और कौन-सी संपत्ति है? उन्होंने अपनी पत्नी और पूर्व विधायक अनीता कुमारस्वामी का भी बचाव किया। कुमारस्वामी ने कहा कि उनकी पत्नी के पास जो 36-37 एकड़ जमीन है, वह कानूनी तरीके से खरीदी गई है। उनका आरोप है कि ऐसे पोस्टरों के जरिए लोगों को गुमराह करने और उनके परिवार की छवि खराब करने की कोशिश की

जा रही है।

मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार पर निशाना साधते हुए कुमारस्वामी ने कहा कि मुख्यमंत्री पद की अपनी गरिमा और मर्यादा होती है, जिसका पालन किया जाना चाहिए। कुमारस्वामी ने आरोप लगाया कि इसी तरह के पोस्टर भाजपा नेताओं विजयेंद्र येडीयुरप्पा, चलावादी नारायणस्वामी और अन्य नेताओं के खिलाफ भी लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि यदि किसी ने कोई गलत काम किया है तो उसके खिलाफ कानून के तहत कार्रवाई होनी चाहिए, न कि सार्वजनिक रूप से बदनाम करने का अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि वह ऐसे हमलों से डरने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा, मेरा जीवन एक खुली किताब है। मेरे कार्यकर्ताओं और लोगों को मेरे बारे में सब कुछ पता है। मैं इन पोस्टरों या धमकियों से नहीं डरता। मैं किसानों के लिए अपनी लड़ाई जारी रखूंगा। हाल ही में कांग्रेस विधायक दल की बैठक में उन पर कांग्रेस विधायकों से संपर्क करने के आरोप लगे थे। इस पर कुमारस्वामी ने किसी भी तरह की राजनीतिक साजिश से इनकार किया। उन्होंने कहा, हम एक छोटी पार्टी हैं। कांग्रेस के पास सरकार है, संसाधन हैं और आर्थिक ताकत भी है। ऐसे में हम उनके खिलाफ इस तरह का अभियान कैसे चला सकते हैं?

कुमारस्वामी ने बताया कि जेडी(एस) ने अपना उम्मीदवार सिर्फ इसलिए उतारा था ताकि पार्टी के वोट एकजुट रहें। उन्होंने विधायकों को प्रभावित करने की किसी भी साजिश से इनकार किया। साथ ही कहा कि जहां अतिरिक्त वोट उपलब्ध थे, वहां भाजपा से समर्थन मांगा गया था। कांग्रेस के अंदरूनी मतभेदों से जेडी(एस) को राजनीतिक फायदा मिलने की अटकलों पर उन्होंने कहा, यह भगवान की इच्छा पर निर्भर करता है। अगर ऐसा होता है तो सरकार के खिलाफ विपक्ष को मजबूत करने का मौका मिल सकता है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कृषि मंत्री एन. चेलुवरायस्वामी की आलोचनाओं को भी ज्यादा महत्व नहीं दिया। उन्होंने कहा, मेरे कार्यकर्ता उन्हें जवाब देंगे। वह फिलहाल अपनी कुर्सी बचाने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे बयानों का जवाब देकर मैं खुद को नीचे नहीं गिराना चाहता।

प्रदर्शन

बेंगलूरु के फ्रीडम पार्क में बुधवार को नीट और सीबीएसई परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और गड़बड़ियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते -कर्नाटक राज्य समिति के सदस्य।

बिड़दी भूमि अधिग्रहण विवाद

निखिल कुमारस्वामी का कर्नाटक सरकार पर हमला, राहुल गांधी से हस्तक्षेप की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जनता दल (एस) की युवा शाखा के प्रदेश अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी ने कर्नाटक सरकार की भूमि अधिग्रहण नीति को लेकर कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि बेंगलूरु के निकट स्थित बिड़दी क्षेत्र में किसानों की उपजाऊ जमीन को जबरन अधिग्रहित किया जा रहा है और इस मामले में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को हस्तक्षेप कर किसानों के हितों की रक्षा करनी चाहिए। निखिल कुमारस्वामी ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट करते हुए लिखा कि कुछ दिन पहले उन्होंने राहुल गांधी को पत्र लिखकर बिड़दी में प्रस्तावित भूमि अधिग्रहण को रोकने की मांग की थी। उन्होंने दावा किया कि अब तक सैकड़ों स्थानीय किसानों ने भी सीधे राहुल गांधी को पत्र लिखकर अपनी पीड़ा,

नाराजगी और चिंता व्यक्त की है। जेडी(एस) नेता निखिल कुमारस्वामी ने आरोप लगाया कि प्रभावित लोगों में 80 प्रतिशत से अधिक छोटे किसान, अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समुदाय के लोग शामिल हैं। उनके अनुसार, राज्य सरकार 33,000 करोड़ रुपये की लागत वाले एक बड़े रियल एस्टेट प्रोजेक्ट के लिए उपजाऊ कृषि भूमि का अधिग्रहण करना चाहती है। इस प्रक्रिया में 'भूमि अधिग्रहण कानून, 2013' की भावना और प्रावधानों की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने राहुल गांधी से सवाल करते हुए कहा कि यदि वह देशभर में किसानों के अधिकारों की आवाज उठाते हैं, तो उन्हें कर्नाटक के किसानों के मुद्दे पर भी स्पष्ट रुख अपनाना चाहिए। निखिल ने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व को अपनी ही सरकार के कथित अन्याय के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए और किसानों की जमीन के जबरन अधिग्रहण को तुरंत रोकना चाहिए।

एक अन्य पोस्ट में निखिल कुमारस्वामी ने बेंगलूरु विकास मंत्री के रूप में कृष्णा बायरे गौड़ा को नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई दी। हालांकि, उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में टिप्पणी करते हुए कहा कि मंत्री पद की घोषणा का 12 दिन का इंतजार सिल्क बोर्ड जंक्शन के मशहूर ट्रैफिक जाम जैसा महसूस हुआ। उन्होंने कहा कि नवनियुक्त मंत्री के सामने एक चुनौतीपूर्ण स्थिति है क्योंकि विकास मंत्रालय की जिम्मेदारी तो उन्हें दी गई है लेकिन शहरी नियोजन से जुड़े महत्वपूर्ण विभागों और संस्थाओं का नियंत्रण मुख्यमंत्री के पास ही है। इसके बावजूद उन्होंने कृष्णा बायरे गौड़ा के प्रशासनिक अनुभव और पूर्व में राजस्व विभाग में किए गए सुधारों की सराहना की।

भाजपा ने जीबीआईटी के लिए 500 एकड़ जमीन के अधिग्रहण का विरोध किया

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने बेंगलूरु दक्षिण जिले में बिड़दी के पास प्रस्तावित जीबीआईटी के लिए लगभग 500 एकड़ जमीन अधिग्रहण करने से संबंधित कर्नाटक सरकार की अंतिम अधिसूचना का कड़ा विरोध करते हुए बुधवार को मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के नेतृत्व वाली सरकार पर किसानों और गरीबों के कल्याण के बजाय रियल एस्टेट को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया।

विजयेंद्र ने यह भी मांग की कि किसानों की जमीन अधिग्रहण करने की प्रक्रिया को तुरंत रोका जाए। विजयेंद्र ने कहा, ''मुख्यमंत्री और कांग्रेस सरकार की प्राथमिकता किसान नहीं हैं। मुख्यमंत्री ने पद संभालने के 24 घंटे के भीतर ही यह दिखा दिया है कि इस सरकार की प्राथमिकता रियल एस्टेट है।'' उन्होंने पत्रकारों से कहा कि भाजपा बिड़दी में टाउनशिप की आड़ में किसानों से जबरदस्ती और ''गैर-कानूनी तरीके से'' जमीन लेने के सरकार के कदम की कड़ी निंदा और विरोध करती है।

उन्होंने कहा, ''किसी भी सरकार की पहली प्राथमिकता मुश्किल में फंसे किसानों की मदद करना होनी चाहिए, लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि मुख्यमंत्री के लिए बेंगलूरु का रियल एस्टेट प्राथमिकता बन गया है। इसलिए, भाजपा की ओर से मैं मुख्यमंत्री से अपील करता हूं कि वह अपनी जिद छोड़ें, किसानों की समस्याओं को सुनें और उन्हें बेदखल न करें। मेरी मांग है कि जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया को तुरंत रद्द किया जाए।'' अधिकारियों के अनुसार, 'ग्रेटर बेंगलूरु इंटीग्रेटेड टाउनशिप' के लिए रामनगर और हारोहल्ली तालुका के तीन गांवों में 499 एकड़ जमीन के अधिग्रहण की अंतिम अधिसूचना जारी कर दी गयी है। यह मुख्यमंत्री शिवकुमार के महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में एक है। इसे भारत की पहली एआई आधारित समेकित टाउनशिप' के तौर पर पेश किया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, इस परियोजना में इलाके के नौ गांवों की 7,481 एकड़ जमीन शामिल होने की उम्मीद है। उन्होंने यह भी कहा कि हाल की अधिसूचना आने वाले दिनों में ज़मीन अधिग्रहण के लिए जारी होने वाली अधिसूचनाओं की श्रृंखला में पहली हो सकती है।

केंद्र कर्नाटक में एससीएसपी और टीएसपी के लिए आवंटित पैसे का अन्यत्र इस्तेमाल में दखल दे : भाजपा नेता

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता सी. नारायणस्वामी ने एससीएसपी और टीएसपी के तहत आंवटित कोष का इस्तेमाल कर्नाटक सरकार द्वारा कथित रूप से अपनी अलग-अलग गारंटी योजनाओं के लिए किये जाने के सिलसिले में केंद्र से तत्काल दखल देने की मांग की है। नारायणस्वामी ने इस संबंध में केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री वीरेंद्र कुमार तथा अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के कल्याण संबंधी संसदीय समिति के अध्यक्ष फग्गन सिंह कुलस्ते को पत्र लिखे हैं।

कर्नाटक विधानपरिषद में विपक्ष के नेता नारायणस्वामी ने पत्र में कहा, ''यह बात सामने आई है कि अनुसूचित जाति उप-योजना (एससीएसपी) और जनजाति उप-योजना (टीएसपी) के तहत आवंटन में से बड़ी रकम का कथित तौर पर इस्तेमाल ऐसी 'सार्वभौमिक गारंटी योजनाओं' (सभी के लिए गारंटी वाली योजनाओं) का वित्तपोषण करने के लिए किया गया है, जो खास तौर पर अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए नहीं हैं।'' उन्होंने कहा कि कोष का इस तरह से दूसरी जगह इस्तेमाल करने से गंभीर कानूनी, संवैधानिक और नैतिक चिंताएं पैदा होती हैं।

प्रणवानंदराम महास्वामी को जान से मारने की धमकी के बाद उन्हें सुरक्षा दी जाए : स्वामीजी ने मुख्यमंत्री से अपील की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सोशल मीडिया पर प्रणवानंदराम महास्वामी, एडिगा समुदाय के गुरुओं, ब्रह्मश्री नारायणगुरु शक्ति पीठ कलबुर्गी शरणबसवेश्वर मठ हावेरी, ब्रह्मश्री नारायणगुरु शक्ति पीठ ट्रस्ट के गुरुओं और सबसे पिछड़े मठ प्रमुखों की महासभा को जान से मारने की धमकी मिलने के बाद, स्वामीजी ने मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार से अपील की कि स्वामीजी को उचित सुरक्षा दी जाए।

स्वामीजी बुधवार को मुख्यमंत्री के सदाशिवनगर स्थित घर गए और यह अपील की। सर्वधर्म समाज के संगमानंद स्वामीजी, विश्वकर्मा समाज के श्री दोडेंद्र स्वामीजी, बंजारा समाज के श्री सरदार सेवालाल स्वामीजी, कुंभार समाज के श्री बसवमूर्ति कुंभारा गुड्डया स्वामीजी, हुगर समाज के हल्लिरया नाटिकारा स्वामीजी, सेमी-नोमैडिक समाज के श्री करुणाकर स्वामीजी, पिंजरा समाज के श्री मारुलाशंकर स्वामीजी ने याचिका दायर की।

प्रणवानंदराम महास्वामी ने गोकर्ण में हुई एक सामाजिक बैठक में पिछड़े और अतिपिछड़े समुदायों के साथ हो रहे अन्याय के बारे में आवाज उठाई थी। पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने मांग की थी कि सभी समुदायों को समान रूप से फंड जारी किया जाना चाहिए।

इसलिए, राज्य, जिला और तालुक स्तर के कुरुबा समाज संगठन और उनके कुछ नेता स्वामीजी के खिलाफ विरोध करने के लिए तैयार हैं। टीवी मीडिया और सोशल मीडिया पर कमेंट्स में, इस समुदाय से जुड़े लोगों ने लिखा है कि वे उन्हें मार डालेंगे। जातियों के बीच कोई झगड़ा नहीं होना चाहिए और उन पर कोई मुसीबत नहीं आनी चाहिए। उन्होंने अपील की, इसलिए, प्रणवानंदराम महास्वामी को सुरक्षा दी जानी चाहिए।

विधानपरिषद चुनाव से पहले रिसॉर्ट में विधायकों को ठहराने पर भाजपा ने कांग्रेस पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक विधानपरिषद के लिए 18 जून को होने वाले चुनाव से पहले सत्तारूढ़ कांग्रेस के विधायकों के बेंगलूरु के बाहरी इलाके में एक रिसॉर्ट में डेरा डालने पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष

विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने बुधवार को तंज कसते हुए कहा कि ऐसा लगता है कि मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार का अपनी पार्टी के विधायकों पर से भरोसा उठ गया है। उन्होंने भरोसा जताया कि जिन सात सीटों पर चुनाव होने हैं, उनमें से दो भाजपा आसानी से जीत जाएगी।

विजयेंद्र ने कहा, ''मुझे नहीं पता कि मुख्यमंत्री का कांग्रेस विधायकों से भरोसा क्यों उठ गया है? जहां तक भाजपा की बात है, हम पूरी तरह निश्चिंत हैं और हमें भरोसा है कि भाजपा के दोनों विधानपरिषद उम्मीदवार चुनाव जीतेंगे। हमें किसी रिसॉर्ट में जाने की कोई ज़रूरत नहीं है।'' उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा कि यह हैरानी की बात है कि सत्ता संभालने के 15 दिनों के भीतर ही मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार का अपने ही विधायकों से भरोसा उठ गया है। चुनाव में सात सीटों पर आठ उम्मीदवार हैं। विधानसभा सदस्य विधान सौध में चुनाव में वोट डालेंगे और कांग्रेस का लक्ष्य सात में से पांच सीटें जीतना है।

कांग्रेस ने मंगलवार रात बेंगलूरु दक्षिण ज़िले के बिदादी में एक रिसॉर्ट में अपने विधायक दल की बैठक की। बुधवार को विधायकों को एक मॉडल बैलेट पेपर के ज़रिए मतदान की प्रक्रिया समझाई गई। रिसॉर्ट में हुई बैठक में प्राथमिकता वाले वोटों के आवंटन पर चर्चा की गई ताकि कोई भी वोट अमान्य न हो। छद्म मतदान भी कराया गया।

प्रदेश भाजपा प्रमुख ने सरकार पर यह कहते हुए भी निशाना साधा कि उसने दो प्रमुख कल्याणकारी योजनाओं 'गृह लक्ष्मी और गृह ज्योति' के लाभार्थियों से दोबारा आवेदन जमा करने को कहा है।

लिव-इन पार्टनर ने महिला की गला घोंटकर हत्या की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु । बेंगलूरु के मल्लेश्वरम में एक किराए के घर में 20 वर्षीय युवती की उसके लिव-इन पार्टनर ने कथित तौर पर गला घोंटकर हत्या कर दी। पीड़िता की पहचान अनुषा के तौर पर हुई है और आरोपी 25 साल का शरथ है। दोनों हासन जिले के सकलेशपुर के रहने वाले थे। पुलिस ने बताया कि दोनों की मुलाकात इंस्टाग्राम पर हुई थी और वे पिछले छह महीनों से मल्लेश्वरम में साथ रह रहे थे। शनिवार रात निजी मामलों को लेकर हुई बहस कथित तौर पर बढ़ गई। इसके बाद शरथ पर अनुषा का गला घोंटकर हत्या करने का आरोप है। वह शहर में पानी के टैंकर का ड्राइवर था। यह घटना सोमवार को तब सामने आई जब शरथ ने कथित तौर पर अपने वकील को हत्या के बारे में बताया। वकील ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद शेषद्रिपुरम पुलिस स्टेशन के अधिकारी घर पहुंचे और शव बरामद किया। मामला दर्ज कर लिया गया है और तलाशी अभियान के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। कानूनी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद अनुषा का शव उसके परिवार को सौंप दिया गया, जबकि पुलिस जांच के तहत शरथ से पूछताछ कर रही है।

इसके पहले 13 जून को बेंगलूरु में अपने किराए के घर में महिला मृत पाई गई थी। मृतका की पहचान भवानी एस. के तौर पर हुई है। उसने बीएससी की डिग्री पूरी की थी और टिगारापाल्या में एक मोबाइल फोन की दुकान पर बिलिंग एग्जीक्यूटिव के तौर पर काम कर रही थी। वह जी. होसाहल्ली रोड पर ऑर्किड्स स्कूल के पास एक किराए के घर में अकेली रहती थी।

पिता श्रीनिवास ने बताया कि 13 जून की सुबह उनकी भाभी ने परिवार को एक इंस्टाग्राम स्टोरी के बारे में बताया, जिसमें भवानी एक अनजान युवक के साथ दिख रही थी। जब भवानी को बार-बार कॉल करने पर भी कोई जवाब नहीं मिला, तो परिवार ने उसके एम्प्लॉयर की पत्नी से संपर्क किया और उनसे भवानी का हाल-चाल लेने का अनुरोध किया। महिला को घर अंदर से बंद मिला।

बेंगलूरु में नवंबर में होगा दूसरा 'स्किल समिट'

बेंगलूरु।कर्नाटक सरकार का स्किल डेवलपमेंट, एंटरप्रेन्योरशिप और लाइवलीहुड (एसडीईएल) विभाग आगामी 3 से 5 नवंबर तक बेंगलूरु के होटल ललित अशोक में 'बेंगलूरु स्किल समिट-2' की मेज़बानी करने जा रहा है। पहले एडिशन की सफलता के बाद हो रहे इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भविष्य की ज़रूरतों के हिसाब से कुशल वर्कफोर्स तैयार करना है। कर्नाटक स्किल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (केएसडीसी) द्वारा आयोजित इस समिट की थीम 'वर्कफोर्स 2030 : स्केल, सिस्टम, सिनर्जी' रखी गई है।

इस समिट में सरकार के मंत्री, पॉलिसी मेकर्स, इंडस्ट्री लीडर्स, शिक्षाविद और ग्लोबल संगठनों से जुड़े लोग शामिल होंगे। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (-एआर्स), इंडस्ट्री 4.0, डीप टेक और ग्रीन जॉब्स जैसी उभरती तकनीकों पर विशेष चर्चा होगी। इस सम्मेलन में 4,500 से अधिक प्रतिभागी, 150 से ज्यादा वक्ता और 100 से अधिक प्रदर्शक हिस्सा लेंगे।

कर्नाटक के कौशल विकास मंत्री डॉ. शरणप्रकाश रुद्रप्पा पाटिल ने कहा, यह समिट युवाओं को ग्लोबल लेवल पर मुकाबला करने और सफल होने में मदद करेगी। हमारा ध्यान एक ऐसा बेहतरीन स्किलिंग इकोसिस्टम बनाने पर है जो कर्नाटक को ग्लोबल टैलेंट हब बना सके। इस समिट के लिए रजिस्ट्रेशन और पार्टनरशिप के अवसर शुरू हो चुके हैं। अधिक जानकारी के लिए आधिकारिक वेबसाइट www.bengaluruskillsummit.com पर विजिट कर सकते हैं।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना सं. 06-एक्सईएन-डब्ल्यूएस-यूबीएलएस-जोनल/26-27 दिनांक: 11.06.2026
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते हैं।

कार्य का नाम	अनुमानित मूल्य
कैरिज रिपेयर वर्कशॉप, हुब्बल्लि-580020 में 01.07.2026 से 30.06.2027 तक 12 माह की अवधि के लिए कार्यों का निष्पादन और सामग्री की आपूर्ति के लिए जोनल निविदाएं।	रू. 2,00,00,000/-

निविदाएँ जमा करने की अंतिम तिथि 06.07.2026 को 11.30 बजे तक
विस्तृत विवरणों के लिए लॉग ऑन करें : www.ireps.gov.in
सहा. कार्यपालक अभियंता, कैरिज रिपेयर वर्कशॉप, हुब्बल्लि
PUB/219/AAD360/PRB/SWR/2026-27
टिकट की आसान बुकिंग, पीएनआर स्थिति की जांच और अन्य रेलवे सेवाओं की जानकारी के लिए रेलवन एप डाउनलोड करें
South Western Railway - SWR SWRRLY @SWRAILWAYHQ @sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना सं. वाई/ई-29/2026-27/32 दिनांक 11.06.2026
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते हैं।

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनुमानित मूल्य
1.	25/2x25 kV ट्रैक्शन सिस्टम के लिए मोबाइल पीएसआई टेस्टिंग सिस्टम का डिजाइन, आपूर्ति, चयन एवं परीक्षण।	रु. 8,25,63,571.00

निविदाएँ जमा करने की अंतिम तिथि 03.07.2026 को 11.00 बजे तक
विस्तृत विवरणों के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in
वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/टीआरडी/मैसूरू
PUB/216/AAD360/PRB/SWR/2026-27
टिकट की आसान बुकिंग, पीएनआर स्थिति की जांच और अन्य रेलवे सेवाओं की जानकारी के लिए रेलवन एप डाउनलोड करें
South Western Railway - SWR SWRRLY @SWRAILWAYHQ @sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे
निविदा सूचना एचएलवी-बीएएचआई-टीएचकेयू-एचपीएचआई-ईआई-01 दिनांक: 11.06.2026
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते हैं।

कार्य का नाम	अनुमानित मूल्य (रू.में)
उपकार्य-1	Rs. 70,87,22,934.34/-

दक्षिण पश्चिम रेलवे के जेआरयू-बीएवाई सेक्शन में हालियुरु (एचएलवी), बाल्लेनाहल्ली (बीएएचआई), तालकु (टीएचकेयू), चिकजाजुर (जेआरयू) और चिकजाजुर बाईपास (जेआरयू बीवाईपीएस) पर डबलिंग के लिए जरूरी अतिरिक्त लूप की कमीशनिंग और यार्ड की रीमॉडलिंग के साथ ही हालियुरु (एचएलवी) में फ्रेट टर्मिनल के विकास से जुड़े आउटडोर सिग्नलिंग कार्यों एवं टेलीकॉम अरेजमेंट सहित इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम का प्रावधान।
उपकार्य-2: दक्षिण पश्चिम रेलवे के एवीसी-वीसी सेक्शन में हरपनाहल्ली (एचपीएचआई) स्टेशन पर अतिरिक्त लूप लाइनों की कमीशनिंग और मौजूदा यार्ड में अमरावती कॉलोनी (एवीसी) री-कनेक्टिंग बर्थिंग (एफबीडब्ल्यूपी साइडिंग) लाइन से जुड़े आउटडोर सिग्नलिंग कार्यों और टेलीकॉम अरेजमेंट सहित इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम का प्रावधान।
निविदाएं जमा करने की अंतिम तिथि: 06.07.2026 को 15.00 बजे तक
विस्तृत विवरणों के लिए लॉग ऑन करें. : www.ireps.gov.in
उप मुख्य सिग्नल एवं टेलीकॉम अभियंता/निर्माण/हुब्बल्ली
PUB/213/AAD360/PRB/SWR/2026-27
आसान टिकट बुकिंग, पीएनआर स्थिति और अन्य रेलवे सेवाओं के लिए रेलवन ऐप डाउनलोड करें।
South Western Railway - SWR SWRRLY @SWRAILWAYHQ @sw_railways

सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स (सी-डॉट)
सी-डॉट C-DOT
विज्ञापन संख्या सी-डॉट/मा.सं./भर्ती/2026/05/01 दिनांक : 18 जून 2026
रिक्ति अधिसूचना
सी-डॉट में निम्नलिखित पदों पर रिक्तियों हेतु अधिसूचना
सी-डॉट में नीचे उल्लिखित पदों को भरने हेतु योग्य उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं:

क्र.सं.	पद का नाम	7वें सीपीसी के अनुसार वेतन स्तर	रिक्तियों की संख्या	स्थान	तरीका
1	कृत्रिम बुद्धिमत्ता - विशेषज्ञ	सीटीसी 60 लाख रुपये प्रति वर्ष तक	1	दिल्ली/बेंगलूरु	निश्चित अवधि के अनुबंध पर
2	वैज्ञानिक-बी/सी/डी	स्तर 10/11/12	4	दिल्ली/बेंगलूरु	प्रत्यक्ष भर्ती के आधार पर
3	प्रबंधक प्रशासन	स्तर 11	1	बेंगलूरु	
4	हिंदी अधिकारी	स्तर 08	1	दिल्ली	
5	कार्यकारी सहायक (वित्त)	स्तर 06	3	बेंगलूरु	
6	हिंदी अनुवादक	स्तर 04	1	दिल्ली	
7	एसोसिएट (प्रशासन)	स्तर 04	3	दिल्ली	

इच्छुक एवं पात्र उम्मीदवार केवल ऑनलाइन माध्यम से अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।
विस्तृत जानकारी, जिसमें पद विवरण एवं आवेदन प्रक्रिया सम्मिलित है, के लिए कृपया सी-डॉट की वेबसाइट के "Careers' खंड पर जाएँ : https://www.cdot.in/cdotweb/web/careers.php?lang=en#current_openings
आवेदन की अंतिम तारीख रोजगार समाचार (अंग्रेजी) में प्रकाशन की तारीख से 30 दिन है।
सभी सरकारी उम्मीदवार वेबसाइट पर दिए गए विवरणानुसार अपना आवेदन उचित प्राधिकृत माध्यम से अग्रेषित करें।
हस्ताक्षरित/-
प्रमुख - कार्मिक एवं मानव संसाधन और कानूनी
CBC 06268/12/0003/2627

योग

राजस्थान के बीकानेर स्थित राजीव गांधी स्विमिंग पूल में बुधवार को 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026' के पूर्वाभ्यास के दौरान योग करते लोग।

भारत का इतिहास गुलामी का नहीं, आक्रमणकारियों के खिलाफ प्रतिरोध का है : आरएसएस प्रमुख भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने बुधवार को कहा कि भारत का इतिहास गुलामी का नहीं बल्कि आक्रमणकारियों के खिलाफ निरंतर प्रतिरोध का है। उन्होंने आरोप लगाया कि देश और विदेश में भारत के उत्थान को रोकने के लिए झूठे विमर्श गढ़े जा रहे हैं। भागवत हल्दीघाटी युद्ध की 450वीं वर्षगांठ की पूर्व संध्या पर आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा, आज भारत को आगे बढ़ने से रोकने की कोशिशें हो रही हैं। झूठी खबरें फैलाई जा रही हैं और लोगों को गुमराह करने के लिए कई तरीके अपनाए जा रहे हैं।

आरएसएस प्रमुख ने कहा, भारत के उत्थान का विरोध करने वाले लोग जनसंख्या, शक्ति, आर्थिक संसाधन और संगठनात्मक क्षमता रखते हैं, फिर भी हमें अपने मूल्यों के आधार पर दृढ़ रहना होगा। भागवत ने राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक गौरव और सामूहिक संकल्प का आह्वान किया।

उन्होंने कहा, वर्तमान चुनौतियों का सामना करने के लिए हमें अपने आदर्शों और सभ्यतागत मूल्यों पर टिके रहना होगा। भागवत ने राजपूत शासक महाराणा प्रताप की विरासत और ऐतिहासिक हल्दीघाटी युद्ध का उल्लेख करते हुए इसे भारत के सभ्यतागत प्रतिरोध का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन धर्म, संस्कृति और आत्मसम्मान की रक्षा का प्रतीक है। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि महाराणा प्रताप ने व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं बल्कि धर्म, संस्कृति और आत्मसम्मान की रक्षा के लिए संघर्ष किया।

उन्होंने कहा, हमारा इतिहास गुलामी का नहीं, बल्कि उन लोगों के खिलाफ संघर्ष का है जिन्होंने हमें गुलाम बनाने की कोशिश की। भागवत ने कहा, महाराणा प्रताप ने अत्याचारों के खिलाफ, धर्म और संस्कृति के लिए तथा अपनी भूमि की स्वतंत्रता के लिए युद्ध किया। आरएसएस प्रमुख ने यह भी कहा कि वर्तमान समय की चुनौतियों का सामना करने के लिए उन ऐतिहासिक महापुरुषों से सीख लेने की आवश्यकता है, जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी अपने सिद्धांतों और संकल्प पर अडिग रहकर संघर्ष किया। भागवत ने कहा कि भारत की शक्ति केवल उसकी जनसंख्या या भौतिक संसाधनों में नहीं, बल्कि उसके सभ्यतागत मूल्यों में निहित है।

उन्होंने लोगों से एकजुट रहने और संकीर्ण पहचान की सीमाओं से ऊपर उठने का आह्वान किया। भागवत ने कहा, हमें उसी प्रकार एकजुट रहना चाहिए, जैसे मेवाड़ की जनता महाराणा प्रताप के साथ खड़ी रही थी। भारत की प्रगति के लिए हमें मिलकर कार्य करना होगा।

हल्दीघाटी के युद्ध का उल्लेख करते हुए भागवत ने कहा कि इसे केवल एक सैन्य संघर्ष के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, हल्दीघाटी का युद्ध केवल एक लड़ाई नहीं थी। यह विदेशी आक्रमणों के विरुद्ध भारतीय समाज के दीर्घकालीन संघर्ष का प्रतीक था। भागवत ने कहा कि महाराणा प्रताप इस युद्ध में विजयी होकर उभरे थे।

उन्होंने कहा, विभिन्न आक्रमणकारी आए, कुछ ने सत्ता भी प्राप्त की, लेकिन भारत ने सामाजिक और सांस्कृतिक स्तर पर कभी भी गुलामी को स्वीकार नहीं किया। इतिहास के कठिन दौर में भी भारत ने अपनी सांस्कृतिक पहचान को सुरक्षित रखा। हमने अच्छे और बुरे दोनों समय देखे हैं, लेकिन हमारा धर्म और हमारी संस्कृति अक्षुण्ण बनी रही।

भागवत ने कहा कि भारत का उत्थान केवल भारत के लिए ही नहीं, बल्कि विश्व के कल्याण के लिए भी महत्वपूर्ण है और एक सशक्त भारत दुनिया के लिए भी आवश्यक है।

छत्रपति शिवाजी महाराज और महाराणा प्रताप एक ही काल में होते तो भारत का इतिहास कुछ और होता : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने महाराणा प्रताप जयंती पर बुधवार को क्षत्रिय समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज और महाराणा प्रताप एक ही काल में होते तो भारत का इतिहास कुछ और होता। उन्होंने कहा कि दोनों ने ही मुगल आक्रांताओं को अपनी वीरता, साहस और शौर्य से उनके इरादों में नाकाम किया। राज्यपाल ने कहा कि हल्दीघाटी युद्ध में महाराणा प्रताप ने मुगल सेना को हतोत्साहित किया और बाद में सुनियोजित हमला करके दिवेर के युद्ध में अकबर की सेना से आत्मसमर्पण करवाया। महाराणा प्रताप देश के पहले ऐसे स्वाधीनता सेनानी थे जिन्होंने मातृभूमि के लिए निरंतर लड़ाइयाँ लड़ी और अदम्य साहस और वीरता का परिचय देते हुए हमें गौरवान्वित किया।

राज्यपाल ने कहा कि अकबर ने सीधे महाराणा प्रताप से युद्ध नहीं किया बल्कि राजा मानसिंह को युद्ध के लिए भेजा। महाराणा प्रताप की सेना बीस हजार के लगभग थी और अकबर की सेना एक लाख के करीब थी। चार गुना सेना अधिक होने के बावजूद महाराणा प्रताप ने अदम्य साहस का परिचय दिखाते हुए इस युद्ध में मुगल सेना को धूल चटाई।

बागड़े बुधवार को भारतीय क्षत्रिय महासंघ द्वारा महाराणा प्रताप जयंती पर आयोजित सम्मान समारोह में सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मेवाड़ गौरवमय धरा रही है। यह भक्ति और शक्ति की धरती है। यही वह धरती है जहां पर बप्पा रावल जैसे महान प्रतापी हुए। बप्पा रावल ने अरबों को भारत से खदेड़ा। इसके बाद पूरे सौ साल तक वह भारत की ओर झांक नहीं सके थे। उन्होंने महाराणा सांगा, पन्ना धाय आदि को स्मरण करते हुए कहा कि भारत के सच्चे इतिहास की नई पीढ़ी को जानकारी मिलनी चाहिए। इसके लिए उन्होंने नई शिक्षा नीति में भारतीय ज्ञान परम्परा और बच्चों की बौद्धिक क्षमता बढ़ाने का आह्वान किया।

राज्यपाल ने कहा कि महाराणा प्रताप नैतिक और स्त्री अस्मिता में विश्वास रखने वाले महान शासक थे। जब उनके पुत्र अमरसिंह ने मुगल सेनापति अब्दुल रहीम खान ए-खाना के परिवार की महिलाओं को बंदी बनाया तो प्रताप ने कड़ा विरोध किया और उन बेगमों को पूरे सम्मान के साथ वापिस भिजवाया। मातृभूमि के लिए किया गया उनका संघर्ष उनके अदम्य साहस, वीरता और पराक्रम की ही कहानी है। उनकी सेना में केवल राजपूत ही नहीं, बल्कि भील जनजाति, जाट और अन्य जातियों के योद्धा भी शामिल थे। भील सरदार राणा पूंजा उनकी सेना के प्रमुख स्तंभ थे। बागड़े ने कहा कि महाराणा प्रताप की जन्म-जयंती हमें उनके आदर्शों पर चलते हुए जीवन में अन्याय और अनैतिकताओं से लड़ने की प्रेरणा देने वाली है।

परीक्षा प्रणाली से जुड़ी अनियमितताओं ने जनता का भरोसा कमजोर किया : पायलट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट ने मंगलवार को देश की वर्तमान परीक्षा प्रणाली की आलोचना करते हुए कहा कि बार-बार हो रही अनियमितताओं ने लाखों विद्यार्थियों को प्रभावित किया है और जनता के भरोसे को कमजोर किया है। कोटा में पत्रकारों से बातचीत में पायलट ने कहा कि प्रमुख परीक्षाओं में गड़बड़ियों ने देशभर के छात्रों और उनके परिवारों को चिंता और परेशानी में डाल दिया है।

उन्होंने नीट पेपर लीक का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे लगभग 22 लाख छात्रों का आत्मविश्वास हिल गया है। पायलट ने आरोप लगाया कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने के आदेश के बावजूद जवाबदेही तय नहीं हुई और अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

उन्होंने कहा, लाखों विद्यार्थियों और उनके परिवारों को परीक्षा प्रणाली की खामियों का खामियाजा भुगतना पड़ा है, जबकि सरकार जिम्मेदारी से बचने की कोशिश कर रही है।

पायलट ने कहा कि राहुल गांधी का अभियान युवाओं की भावनाओं से जुड़ने और उनके भविष्य से संबंधित चिंताओं को दूर करने का प्रयास है। गांधी आज कोटा में छात्रों से संवाद करेंगे।

पायलट ने दावा किया कि राजस्थान और अन्य राज्यों के छात्र परीक्षा और परीक्षा परिणाम को लेकर असमंजस की स्थिति में हैं। पायलट ने आरोप लगाया कि गांधी की यात्रा से जुड़े पोस्टर और बैनर स्थानीय प्रशासन ने हटवा दिए और लोगों पर कार्यक्रम में शामिल न होने का दबाव बनाया गया। उन्होंने विश्वास जताया कि बड़ी संख्या में छात्र और युवा इस संवाद में भाग लेंगे। पायलट ने स्पष्ट किया कि यह कार्यक्रम राजनीतिक रैली नहीं बल्कि छात्रों के साथ संवाद है, जिसमें उनकी समस्याओं पर चर्चा कर समाधान तलाशा जाएगा।

लोगों की समस्याओं का हर हाल में हो समाधान, अधिकारी नहीं बरतें कोई कोताही : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को उदयपुर में शहरी सेवा शिविर का अवलोकन कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने उदयपुर विकास प्राधिकरण परिसर में आयोजित शिविर में उपस्थित लाभार्थियों से संवाद कर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं शिविर के संबंध में फीडबैक लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सरकारी सेवाओं का लाभ पहुंचाना है। इसी उद्देश्य से प्रदेशभर में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सेवा शिविरों का आयोजन किया जा रहा है, ताकि आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित हो।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रत्येक व्यक्ति को आर्थिक एवं सामाजिक रूप से सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सेवा शिविरों के माध्यम से पट्टा वितरण, नामांतरण, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र सहित विभिन्न राजस्व एवं नागरिक सुविधाओं से जुड़े प्रकरणों का समाधान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आवश्यक जांच अथवा प्रक्रिया के कारण अतिरिक्त समय लगने वाले प्रकरणों के निस्तारण के लिए फॉलोअप शिविर भी आयोजित किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिविरों में आमजन से जुड़े छोटे से लेकर बड़े कार्यों को भी गंभीरता से लिया जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शिविरों में आमजन की समस्याओं का समाधान हर हाल में किया जाए तथा इसमें किसी प्रकार की कोताही नहीं बरतें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की मंशा है कि बुजुर्गों, दिव्यांगजनों, महिलाओं और वंचित वर्गों सहित सभी वर्गों को मूलभूत सुविधाएं सहज रूप से उपलब्ध हों। पार्क, सड़क, नाली, सीवरेज, बिजली तथा अन्य नगरीय सुविधाओं से संबंधित समस्याओं का भी प्राथमिकता से समाधान किया जाए।

मुख्यमंत्री ने आमजन से आह्वान किया कि वे अपने आसपास के जरूरतमंद लोगों को शिविरों तक पहुंचाने में सहयोग करें, ताकि पात्र व्यक्ति योजनाओं और सेवाओं का लाभ सुनिश्चित हो। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों और आम नागरिकों की सामूहिक भागीदारी से ही इन शिविरों की सार्थकता सुनिश्चित होगी। मुख्यमंत्री ने शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई स्टॉल्स का अवलोकन करते हुए जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को पट्टे, प्रमाण पत्र, भवन निर्माण स्वीकृति एवं सहायता राशि के चेक तथा दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण भी प्रदान किए। लाभार्थियों ने राज्य सरकार की जनकल्याणकारी पहल के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी, राजस्व मंत्री हेमंत मीणा, विधायक ताराचंद जैन, फूल सिंह मीणा, उदयलाल डांगी, श्रीचंद कृपलानी सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण एवं आमजन उपस्थित रहे।

भीलवाड़ा की कम्पनी चावल से बनायेगी एथेनॉल, कम्पनी आईपीओ की कतार में

भीलवाड़ा। देश में टेक्सटाइल सिटी के नाम से मशहूर भीलवाड़ा शहर के उद्योगपति अब कपड़े के व्यापार के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में भी अपना भाग्य आजमा रहे है। सूत्रों के अनुसार भीलवाडा की एक माहेश्वरी समाज से जुड़े उद्योगपती चावल से एथेनॉल बनाने के प्लांट बूंदी जिले में लगा रहे है। संभावना यह भी जताई जा रही है कि कम्पनी अगस्त 2026 माह के अन्त तक शहर बाजार में सूचीबद्ध हो जाएगी। कम्पनी बीएसई मेन बोर्ड पर 160 से 170 करोड के लगभग का आईपीओ लायेगी। जिसके लिए कम्पनी ने सभी आवश्यक तैयारियां प्रारंभ कर दी है। संभावना यह भी जताई जा रही है कि सेबी से कम्पनी को प्रारंभिक तौर पर अप्रूवल मिल चुका है। शहर के प्रमुख उद्योगपति नुवाल एवं भण्डारी द्वारा लाये जा रहे आईपीओ की प्राइस बेण्ड 130 से 135 रू. प्रति शेयर रखे जाने की संभावना जताई जा रही है। वैसे तो भीलवाडा शहर की दर्जनों कम्पनियां शेयर बाजार में मेन बोर्ड एवं एसएमई बोर्ड पर सूचीबद्ध है। जिनमें ज्यादातर टेक्सटाइल एवं यार्न से जुडी कम्पनियां है। इसके साथ ही एफएमसीजी, फर्टीलाईजर तथा केमिकल ट्रेडिंग से जुडी कम्पनियां भी लिस्टेड है। शेयर बाजार से जुडे कई निवेशको ने बताया कि कम्पनी सोना नाम से आईपीओ ला सकती है।

राष्ट्र प्रथम के संकल्प के धनी थे महाराणा प्रताप डॉ. वासुदेव देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर । वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप राष्ट्र प्रथम के संकल्प के धनी थे। यह बात राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. वासुदेव देवनानी ने मंगलवार को महाराणा प्रताप जयंती की पूर्व संध्या पर यहां प्रताप गौरव केन्द्र 'राष्ट्रीय तीर्थ' में स्थित 57 फीट ऊंची बैठक प्रतिमा के दुग्धाभिषेक समारोह में कही। हल्दीघाटी विजय सार्द्ध चतु: शती समारोह के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप जैसी युगविभूति का चैप्टर उन्होंने पाठ्यक्रम में जोड़ा। मातृभूमि और स्वाभिमान की रक्षार्थ सर्वस्व समर्पण के अनुपम उदाहरण महाराणा प्रताप के जीवन से सभी को प्रेरणा लेनी चाहिए। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि महाराणा प्रताप के रूप में देश को ऐसा सपूत मिला जिसने विपरीत और विषम परिस्थितियों में भी हार नहीं मानी। उदयपुर ग्रामीण विधायक फूल सिंह मीणा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचारक प्रमुख अरुण जैन, क्षेत्र संघचालक डॉ. रमेश अग्रवाल, क्षेत्रीय कार्यकारिणी सदस्य हनुमान सिंह राठौड़, क्षेत्र सह कार्यवाह गेंदालाल सैनी आदि अतिथि उपस्थित थे। अतिथियों का स्वागत कार्यक्रम संयोजक सीए महावीर चपलोत ने किया। मंच संचालन डॉ. रमन कुमार सूद ने किया। महाराणा प्रताप की प्रतिमा के दुग्धाभिषेक के दौरान महाराणा प्रताप के जयकारे गूंजे।

जासूसी के आरोप में पकड़े गए युवक को अदालत ने पुलिस हिरासत में भेजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों के लिए जासूसी करने के आरोपी एक व्यक्ति को जयपुर की एक अदालत ने बुधवार को पांच दिनों की पुलिस अभिरक्षा में भेज दिया। एक वकील ने यह जानकारी दी। विशेष लोक अभियोजक सुदेश सतवान ने पत्रकारों को बताया कि आरोपी मुश्ताक अली (26) को राजस्थान के अपराध अन्वेषण विभाग (सीआईडी-खुफिया) ने यहां एक विशेष अदालत में पेश किया तथा अदालत ने उसे 22 जून तक पुलिस अभिरक्षा में भेज दिया।

अधिकारियों ने बताया कि अदालत ले जाने से पहले आरोपी का जयपुरिया अस्पताल में मेडिकल परीक्षण कराया गया । पुलिस के अनुसार सीआईडी (खुफिया) ने आगे की पूछताछ के लिए अदालत से सात दिन की अभिरक्षा मांगी थी। उसने कहा कि सीआईडी (खुफिया) सीमा पार से कथित तौर पर चलाई जा रही जासूसी गतिविधियों पर कड़ी नजर रख रही है।

उसने बताया कि राजस्थान में जैसलमेर जिले के खारिया नाचणा इलाके में हिंगोला की ढाणी का रहने वाला आरोपी अपनी गतिविधियों के कारण शक के घेरे में आ गया था। पुलिस के मुताबिक उसे कल गिरफ्तार किया गया और अदालत में पेश किया गया।

पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच से पता चला है कि मुश्ताक पिछले दो साल से सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों के गुर्गों (हैंडलर) के संपर्क में था। पुलिस के अनुसार पूछताछ और उसके मोबाइल फोन की जांच के दौरान पता चला कि उसे सीमावर्ती इलाके में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और भारतीय सेना की गतिविधियों पर नजर रखने का काम सौंपा गया था। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने सीमा की ओर जाने वाली सड़क पर चाय की दुकान खोल रखी थी तथा वह इसकी आड़ में कथित तौर पर सुरक्षा बलों की गतिविधियों को देखता और रिकॉर्ड करता था।

पुलिस ने कहा कि आरोपी बीएसएफ और सेना की गतिविधियों की तस्वीरें खींचता और वीडियो रिकॉर्ड करता था तथा पैसे के बदले उन्हें पाकिस्तान भेजता था। पुलिस के अनुसार गिरफ्तारी के बाद कई सुरक्षा और जांच एजेंसियों ने जयपुर में आरोपी से संयुक्त पूछताछ की। अधिकारियों ने बताया कि उसके नेटवर्क और अन्य संभावित संपर्कों का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

ममता ने कोलकाता में रेहड़ी-पटरी वालों को हटाए जाने के विरोध में मार्च निकाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने रेहड़ी-पटरी वालों को हटाए जाने के विरोध में मध्य कोलकाता में बुधवार को बिना किसी पूर्वनिर्धारित कार्यक्रम के मार्च निकाला।

उन्होंने कहा कि सड़क किनारे सामान बेचने वाले विक्रेताओं को हटाने की किसी भी कार्रवाई से पहले उनके पुनर्वास का इंतजाम किया जाना चाहिए। ममता ने प्रशासन को विरोध मार्च निकालने की अपनी योजना के बारे में पहले से नहीं बताया था। वह बेलेघाटा से विधायक कुणाल घोष और पूर्व सांसद डोला सेन सहित अन्य तृणमूल नेताओं के साथ अचानक शहर के बीचों-बीच एस्प्लेनेड पहुंचीं, जहां उनके आसपास भारी भीड़ जमा हो गई। इसके बाद ममता ने एस्प्लेनेड से सुबोध मलिक चौक तक लगभग 1.2 किलोमीटर लंबा विरोध मार्च निकाला। यह मार्च राज्य में रेहड़ी-पटरी वालों को हटाए जाने संबंधी अभियान के विरोध में निकाला गया, जिसे पार्टी ने गैर-कानूनी, अन्यायपूर्ण और अमानवीय करार दिया था।

तृणमूल कांग्रेस ने सोशल मीडिया में एक पोस्ट में कहा कि ममता ने रेहड़ी-पटरी वालों को हटाए जाने के खिलाफ पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया और आम लोगों की गरिमा, आजीविका एवं अधिकारों की रक्षा करने का संकल्प लिया।

यह विरोध मार्च रेहड़ी-पटरी वालों को हटाए जाने की कार्रवाई के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस की ओर से चलाए जा रहे अभियान के बीच निकाला गया। इससे पहले, पार्टी नेताओं ने सियालदह में धरना दिया था और मांग की थी कि रेहड़ी-पटरी वालों को हटाने की किसी भी कार्रवाई से पहले उनके पुनर्वास की व्यवस्था की जाए।

भारत की विकास गाथा के सबसे रोमांचक अध्यायों में से एक है पूर्वोत्तर : नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिलांग/भाषा। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने कहा है कि मेघालय को दशकों तक ''बादलों के घर'' के रूप में जाना जाता था लेकिन आज यह ''अवसरों के घर'' के रूप में उभर रहा है और यह बदलाव ''असीम संभावनाओं'' वाले पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र की व्यापक कहानी को दर्शाता है।

नायडू ने एक वीडियो संदेश में यह बात कही जिसे मंगलवार को मेघालय की राजधानी शिलांग में पूर्वोत्तर भारत अवसंरचना शिखर सम्मेलन के एक सत्र में दिखाया गया। मंत्री ने कहा कि उन्हें किसी कार्यक्रम के लिए जब भी पूर्वोत्तर जाने का ''सौभाग्य'' मिला, वह वहां के लोगों और क्षेत्र में मौजूद ''असीम संभावनाओं'' से अत्यंत प्रेरित होकर लौटे।

नागर विमानन मंत्री ने कहा कि पूर्वोत्तर को आजादी के बाद कई वर्षों तक अक्सर ''दिल्ली से उसकी दूरी'' के आधार पर देखा जाता था लेकिन आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व तथा उनकी 'एक्ट ईस्ट, एक्ट फास्ट और एक्ट फर्स्ट' नीति के कारण पूर्वोत्तर की पहचान दूरी से नहीं, बल्कि संपर्क से हो रही है। नायडू ने कहा कि स्वयं यह शिखर सम्मेलन इस प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर के सभी आठ राज्यों, केंद्र सरकार के कई मंत्रालयों और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों की मौजूदगी क्षेत्र की अपार संभावनाओं को साकार करने के लिए समूची सरकार के स्तर पर अपनाए गए समन्वित दृष्टिकोण को दर्शाती है। 'पूर्व का स्कॉटलैंड' कहे जाने वाले शिलांग में अपनी तरह के इस पहले कार्यक्रम में पूर्वोत्तर के विभिन्न राज्यों की सरकारों और उद्योग जगत समेत कई क्षेत्रों के सैकड़ों प्रतिनिधि शामिल हुए। यह सम्मेलन 15-16 जून को 'लारिति परफॉर्मिंग सेंटर' में आयोजित किया गया। नायडू ने पहले से रिकॉर्ड किए गए अपने संबोधन में कहा कि भारत जब विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है, ''तो मुझे विश्वास है कि पूर्वोत्तर पूरे देश के सबसे बेहतर संपर्क सुविधा वाले, गतिशील और अवसरों से भरपूर क्षेत्रों में से एक बनकर उभरेगा।'' उन्होंने कहा कि ''पहले की मानसिकता में पूर्वोत्तर को अंतिम अध्याय माना जाता था'' लेकिन आज प्रधानमंत्री मोदी के ''सुधार, प्रदर्शन और बदलाव'' के दृष्टिकोण के तहत यह ''भारत की विकास गाथा के सबसे रोमांचक और सबसे तेजी से आगे बढ़ते अध्यायों में से एक'' बन गया है। उन्होंने कहा कि इसके परिणाम ''स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं।''

ओडिशा सरकार ने स्कूल की पाठ्यपुस्तकों में मिली त्रुटियों की जांच के लिए समिति गठित की

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने कक्षा एक से आठ तक के छात्रों की किताबों में हुई त्रुटियों के लिए जिम्मेदार लोगों या संस्थाओं की पहचान करने के लिए बुधवार को तीन सदस्यीय समिति के गठन का आदेश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस समिति की अध्यक्षता विकास आयुक्त करेंगे और यह समिति सात दिनों के अंदर अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। माझी ने संबंधित अधिकारियों को स्कूल के छात्रों की किताबों में छपाई संबंधी त्रुटियों को तुरंत ठीक करने का भी आदेश दिया। मुख्यमंत्री का यह निर्देश सरकारी स्कूलों के कुछ शिक्षकों द्वारा कक्षा एक से आठ के छात्रों की नई किताबों में कई गलतियां (जैसे वर्तनी की गलतियां और मशहूर हस्तियों के गलत नाम) बताए जाने के एक दिन बाद आया है।

साइबर अपराधी 'परजीवी' हैं, भोलेभाले निवेशकों से करते हैं ठगी : उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को कहा कि साइबर अपराधी ''परजीवी'' होते हैं जो भोलेभाले निवेशकों से ठगी करते हैं और ऐसे अपराधियों के साथ सख्ती बरतने की जरूरत है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने एक व्यक्ति की याचिका पर सुनवाई के दौरान ये टिप्पणियां कीं। उक्त व्यक्ति ने अलग-अलग राज्यों में अपने खिलाफ दर्ज कुछ प्राथमिकी को एक साथ जोड़ने का अनुरोध किया था। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''आप लोग (साइबर अपराधी) परजीवी हैं। आप भोलेभाले निवेशकों से पैसे लेते हैं और उनके साथ ठगी करते हैं। साइबर अपराधियों के खिलाफ हमें बहुत सख्ती बरतनी होगी।'' प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि ऐसे अपराधों के पीड़ित हमेशा देशभर से होते हैं। उन्होंने कहा, ''आप तमिलनाडु में किसी के साथ ठगी करते हैं, फिर जम्मू-कश्मीर और उसके बाद पूर्वोत्तर चले जाते हैं।'' उन्होंने कहा कि साइबर अपराधियों को जेल में रखना समाज के हित में होगा। शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ता के खिलाफ अलग-अलग राज्यों में दर्ज कुछ प्राथमिकी को एक साथ जोड़ने की याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया।

राहुल गांधी 'राजनीतिक बोझ' हैं, सहयोगियों को नहीं है उन पर कोई भरोसा : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भाजपा ने बुधवार को दावा किया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर न तो जनता को और न ही उनके सहयोगियों को भरोसा है। द्रमुक के मुखपत्र 'मुरासोली' द्वारा कांग्रेस नेता पर विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) की एकता को कमजोर करने का आरोप लगाए जाने के बाद सत्तारूढ़ दल ने यह दावा किया है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि द्रमुक की आलोचना से गांधी के नेतृत्व को लेकर विपक्षी दलों में बढ़ती नाराजगी का पता चलता है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस नेता अब एक ''राजनीतिक बोझ'' बन गए हैं। द्रमुक के मुखपत्र में सोमवार को प्रकाशित एक संपादकीय में गांधी पर आरोप लगाया गया कि उन्होंने गठबंधन सहयोगियों को कमजोर किया और विपक्षी एकता को नुकसान पहुंचाया है। पूनावाला ने बयान में कहा, ''द्रमुक ने राहुल गांधी पर जोरदार हमला करते हुए उन्हें राजनीतिक रूप से अपरिपक्व बताया है। राहुल गांधी पर किसी को भरोसा नहीं है। कांग्रेस सहयोगियों का इस्तेमाल करती है और फिर उन्हें छोड़ देती है।'' विपक्षी गठबंधन के भीतर हालिया तनाव का जिक्र करते हुए, उन्होंने आरोप लगाया कि 'इंडिया' के कई सहयोगियों ने गांधी के नेतृत्व को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने दावा किया, ''पुराने दोस्त अब नए और वास्तविक दुश्मन बन गए हैं। चाहे द्रमुक हो, या तृणमूल कांग्रेस, वाम दल, उद्धव ठाकरे की शिवसेना (उबाठा) या राजदसभी ने असंतोष जताया है।''

महिला माओवादी ने कोलकाता पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। कोलकाता पुलिस के समक्ष एक महिला माओवादी ने बुधवार को आत्मसमर्पण कर दिया, जिस पर 10 लाख रुपए का इनाम घोषित था। पुलिस आयुक्त अजय कुमार नंद ने बताया कि शकुंतला महतो ने यहां लालबाजार स्थित कोलकाता पुलिस मुख्यालय में आत्मसमर्पण किया और अधिकारियों को एक आग्नेयास्त्र तथा 46 कारतूस भी सौंपे।

नंद ने कहा, ''वह भाकपा (माओवादी) की जोनल कमेटी की सदस्य थी और वर्षों तक कई माओवादी गढ़ों में सक्रिय रही। उसका आत्मसमर्पण एक महत्वपूर्ण सफलता है और यह नक्सल आंदोलन के घटते प्रभाव को दर्शाता है।''

पश्चिम बंगाल में झाड़ग्राम जिले के बेलपहाड़ी की निवासी महतो 2001 में माओवादी संगठन में शामिल हुई थी।

इन वर्षों के दौरान वह झारखंड-ओडिशा सीमा क्षेत्र में सक्रिय रही और पूर्वी भारत के कई क्षेत्रों में माओवादी गतिविधियों से जुड़ी रही।

पुलिस ने उसके आत्मसमर्पण को माओवादी विरोधी अभियानों में एक बड़ी सफलता बताया।

'गुरु द्रोही' मामला: विपक्ष का मान पर हमला तेज, भाजपा नेता ने प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की

चंडीगढ़/भाषा। सिखों की सर्वोच्च धार्मिक संस्था 'अकाल तख्त' द्वारा एक कथित आपत्तिजनक वीडियो मामले में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को 'गुरु द्रोही' घोषित किये जाने के बाद राज्य की विपक्षी पार्टियों ने मान के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इसी कड़ी में भाजपा नेता जगमोहन सिंह राजू ने बुधवार को मुख्यमंत्री के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की। यह मामला इस साल जनवरी में अकाल तख्त द्वारा मान को बुलाए जाने से जुड़ा है। उनपर 'गुरु की गोलक' (गुरुद्वारे के दान-पात्र) के बारे में कथित तौर पर टिप्पणी करने और एक कथित वीडियो क्लिप में सिख गुरुओं एवं मारे गए उग्रवादी जरनैल सिंह भिंडरांवाले की तस्वीरों के साथ 'आपत्तिजनक गतिविधियों' में संलिप्त होने का आरोप था। अमृतसर में सोमवार को अकाल तख्त के जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज के अकाल तख्त की 'फसील' (मंच) से मुख्यमंत्री के खिलाफ आदेश जारी करने के बाद से विपक्षी पार्टियां मान के इस्तीफे की मांग कर रही हैं।

अरुणाचल प्रदेश में सेना के दुर्गम ठिकानों तक एयरटेल ने पहुंचाई मोबाइल संपर्क सुविधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। दूरसंचार कंपनी एयरटेल ने अरुणाचल प्रदेश के दुर्गम इलाकों में स्थित भारतीय सेना के 30 ठिकानों पर दूरसंचार अवसंरचना की स्थापना की है, जिससे वहां निर्बाध संपर्क सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

कंपनी ने एक बयान में कहा कि भारतीय सेना ने सीमावर्ती और दुर्गम क्षेत्रों में अंतिम छोर तक संपर्क सुविधा उपलब्ध कराने के लिए एयरटेल के साथ साझेदारी की थी। बयान के अनुसार, ''इस पहल के तहत एयरटेल ने चुनौतीपूर्ण पर्वतीय क्षेत्रों में स्थित सेना के 30 ठिकानों पर दूरसंचार नेटवर्क अवसंरचना स्थापित की है।''

कंपनी ने कहा कि इस व्यवस्था से उन क्षेत्रों में वॉयस और डेटा संपर्क सेवाओं में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, जहां भौगोलिक और बुनियादी ढांचे संबंधी बाधाओं के कारण अब तक संपर्क सुविधा सीमित रही थी।

एयरटेल ने कहा, ''यह उपलब्धि एयरटेल और भारतीय सेना के बीच मजबूत सहयोग से संभव हो सकी।''

एयरटेल ने कहा कि परियोजना के पहले चरण के सफलतापूर्वक पूरा होने के बाद अब दूसरे चरण का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

कंपनी के अनुसार, परियोजना के प्रभाव को देखते हुए भारतीय सेना और एयरटेल ने दूसरे चरण पर सहमति जताई है, जिसके तहत अरुणाचल प्रदेश में 15 अतिरिक्त स्थानों पर नेटवर्क साइट स्थापित की जाएंगी।

इस घटनाक्रम पर टिप्पणी करते हुए एयरटेल के पूर्वोत्तर और असम क्षेत्र के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बालाजी आर ने कहा, ''यह पहल देश के सबसे दुर्गम इलाकों तक संपर्क सुविधा पहुंचाने की एयरटेल की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।''

चार करोड़ रुपए मूल्य के आभूषण चुराने के लिए दोस्तों को दी पार्टी, आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ/भाषा। शादी तय होने की खुशी में गाजियाबाद में अपने सहकर्मियों को पार्टी देने वाला तनिष्क ज्वैलरी शोरूम का कर्मचारी शोरूम से चार करोड़ रुपए से अधिक की चोरी करने का आरोपी निकला। पुलिस ने यह जानकारी दी है। उसने बताया कि इस मामले में शोरूम में इस कर्मचारी, उसके पिता और महिला मित्र को गिरफ्तार किया गया है।

गाजियाबाद के आरडीसी में तनिष्क ज्वैलरी शोरूम में 12 जून को हुई चार करोड़ रुपए से अधिक के आभूषणों की चोरी पुलिस ने बुधवार को खुलासा करते हुए शोरूम के कर्मचारी नितिन वर्मा, उसके पिता संजय वर्मा और महिला मित्र काजल वर्मा को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त (नगर) धवल जायसवाल ने बताया कि लगभग 4.30 किलोग्राम सोने की चोरी हुई थी जिसकी जांच में सामने आया है कि नितिन वर्मा ने अपने साथी चितरंजन उर्फ चिंटू के साथ मिलकर इस चोरी की योजना बनाई थी।

पीलीभीत में नौ वर्षीय बच्ची को बंधक बनाकर बुजुर्ग ने किया दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

पीलीभीत (उप्र)/भाषा। पीलीभीत के सुनगढ़ी थाना क्षेत्र के एक गांव में नौ वर्षीय बच्ची को पिछले दो दिनों से बंधक बनाकर उससे दुष्कर्म करने के आरोप में 66 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। गांव के ही रहने वाले मौलाना के घर से लड़की के संदिग्ध अवस्था में बरामद होने की सूचना से पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। परिजनों का आरोप है कि आरोपी दो दिन से बच्ची को बंधक बनाकर उसके साथ दुष्कर्म कर रहा था। सूचना पर पहुंचे हिंदू संगठन हनुमान दल के कार्यकर्ताओं ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़ा करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव ने बताया कि 16 जून को लगभग 10 बजे थाना सुनगढ़ी को सूचना मिली थी कि थाना क्षेत्र के एक गांव की एक नाबालिग बच्ची को उमर (66 वर्ष) नाम का व्यक्ति बहला फुसलाकर अपने साथ ले गया था। उन्होंने बताया कि परिजनों की शिकायत पर आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता और यौन अपराध से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि बच्ची से दुष्कर्म का एक आपत्तिजनक वीडियो मिला है। आरोपी के विरुद्ध पॉक्सो अधिनियम समेत कई गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। बच्ची का चिकित्सीय परीक्षण कराया जा रहा है।

प्रधानमंत्री आवास योजना में 'वित्तीय अनियमितताओं' में बंगाल के पूर्व मंत्री उदयन गुहा गिरफ्तार

कोलकाता/भाषा। प्रधानमंत्री आवास योजना से जुड़ी ''वित्तीय अनियमितताओं'' में कथित संलिप्तता को लेकर बुधवार को पश्चिम बंगाल के पूर्व मंत्री और तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता उदयन गुहा को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि गुहा को यहां फूलबागान क्षेत्र में एक अपार्टमेंट से गिरफ्तार किया गया जहां वह 2026 के विधानसभा चुनाव में दिनहाटा निर्वाचन क्षेत्र से हार जाने के बाद से रह रहे थे। वह कूच बिहार जिले के नेता हैं तथा पिछले ममता बनर्जी मंत्रिमंडल में उत्तर बंगाल विकास मामलों के मंत्री थे। कूच बिहार जिला पुलिस के एक अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''पूर्व मंत्री के खिलाफ प्रधानमंत्री आवास योजना से जुड़ी वित्तीय अनियमितताओं में शामिल होने का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई गई थी। उनके ख़िलाफ अन्य मामले भी हैं और उसी के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।''

ओडिशा : तबादला के लिए जालसाजी करने के आरोप में अभियंता गिरफ्तार

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सरकार के एक अभियंता को तबादला के लिए राज्य विधानसभा के उपाध्यक्ष भवानी शंकर भोई के नाम पर फर्जी पत्र तैयार करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान लक्ष्मण हेम्ब्रम (31) के रूप में हुई है, जो क्योंझर जिले के हरिचंदनपुर प्रखंड में सहायक कार्यकारी अभियंता के पद पर तैनात है। इसने बताया कि विधानसभा उपाध्यक्ष के निजी सचिव द्वारा दर्ज शिकायत के आधार पर 13 जून को भुवनेश्वर के कैपिटल पुलिस थाने में एक मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने बताया कि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत एक महिला समेत दो सहायक कार्यकारी अभियंताओं के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई।

भुवनेश्वर जोन-1 के एसीपी रमेश चंद्र बिसोई ने कहा कि हेम्ब्रम और महिला अभियंता ने कथित तौर पर उपाध्यक्ष द्वारा जारी दिखने वाला एक फर्जी अनुशंसा पत्र तैयार किया और उसका उपयोग सुंदरगढ़ जिले में स्थानांतरण प्राप्त करने के लिए किया। पुलिस ने बताया कि जालसाजी का खुलासा तब हुआ जब अधिकारियों ने दस्तावेज की जांच की और पाया कि हस्ताक्षर और लेटरहेड फर्जी थे। इसने बताया कि जांच के बाद हेम्ब्रम को बुधवार को गिरफ्तार कर पूछताछ के लिए कैपिटल पुलिस थाने लाया गया। बिसोई ने पत्रकारों से कहा, ''महिला अभियंता और इस मामले में शामिल किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच जारी है।''

सपा में बड़ी टूट होगी, कई नेता भाजपा में शामिल होने को तैयारः राजभर

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री एवं सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने बुधवार को दावा किया कि समाजवादी पार्टी (सपा) में ''बड़ी टूट होगी'' और कई नेता भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने के लिए भी तैयार हैं। समाजवादी पार्टी ने इन दावों को खारिज किया है। राजभर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में दावा किया कि सपा नेता राम गोपाल यादव ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को एक पत्र सौंपा है। हालांकि, उन्होंने कथित पत्र के बारे में कोई विवरण नहीं दिया। राजभर ने कहा, ''समाजवादी पार्टी में बड़ी टूट होगी। राम गोपाल यादव ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को एक पत्र सौंपा है।'' उन्होंने पिछले मामलों की जांच का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि सपा पर दबाव बढ़ रहा है।

अखिलेश ने सपा में विभाजन संबंधी राजभर के दावे को खारिज किया, कहा- पार्टी मजबूत है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को उत्तर प्रदेश के मंत्री और सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर के उस दावे को खारिज कर दिया जिसमें सपा में जल्द ही विभाजन होने की बात कही गई है।

अखिलेश ने कहा कि उनकी पार्टी मजबूत बनी हुई है और आरोप लगाया कि भाजपा का प्रलोभन और दबाव के माध्यम से दलों को तोड़ने का इतिहास रहा है। बाद में एक्स पर एक अन्य पोस्ट में इशारों में उन्होंने कहा, जो लोग दूसरी पार्टियों में फूट का अनुमान लगा रहे हैं, उन्हें पहले अपनी स्थिति पर नजर डालनी चाहिए।

सपा के भीतर संभावित असंतोष की खबरों पर यहां एक संवाददाता सम्मेलन में एक सवाल का जवाब देते हुए यादव ने कहा कि भाजपा पहले भी कई राजनीतिक दलों को तोड़ने में सफल रही है, जिसमें विधायकों और नेताओं को समाजवादी पार्टी से दूर करना भी शामिल है। उन्होंने कहा, ''अगर आप उत्तर प्रदेश को देखें, तो कई सपा विधायकों, विधानपरिषद सदस्यों और यहां तक कि राज्यसभा सदस्यों को भी छीन लिया गया। इसके पीछे कोई स्वार्थ, कोई लालच या कोई डर रहा होगा। जो लोग डर जाते हैं, वे अपनी पार्टी छोड़ देते हैं।'' यादव की यह टिप्पणी उत्तर प्रदेश के मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी(सुभासपा) के प्रमुख ओम प्रकाश राजभर के उस दावे के कुछ घंटों बाद आई है जिसमें उन्होंने दावा किया था कि सपा में एक बड़ी विभाजन की संभावना है और पार्टी के कई नेता भाजपा में शामिल होने के लिए तैयार हैं। यादव ने राजभर के दावों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, ''समाजवादी पार्टी एक मजबूत पार्टी के रूप में बरकरार है और इसने पिछले कुछ वर्षों में कई चुनौतियां और उतार-चढ़ाव देखे हैं।'' यादव ने कहा कि भाजपा का मुकाबला करने के इच्छुक राजनीतिक कार्यकर्ताओं को साहस और दृढ़ विश्वास की जरूरत है। उन्होंने कहा, ''अगर भाजपा को चुनौती देनी है तो बहादुर लोगों की एक टीम होनी चाहिए।''

सुविचार

जो पानी से नहाएगा वो सिर्फ लिबास बदलेगा, लेकिन जो पसीने से नहाएगा वो इतिहास बदलेगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

क्यों टूट रहीं तृणकां और शिवसेना (उबाठा)?

तृणमूल कांग्रेस के बाद शिवसेना (उबाठा) में बगावत ने इन दोनों पार्टियों में भारी असंतोष को उजागर कर दिया है। कहां तो इन पार्टियों के नेतृत्व भाजपा को पछाड़ देने की कसमें खाया करते थे, लेकिन वक्त का पहिया ऐसा घूमा कि अब अस्तित्व पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं! शिवसेना जून 2022 में ऐतिहासिक टूट का सामना कर चुकी है। ऐसा प्रतीत होता है कि उद्धव ठाकरे ने उस घटना से कोई सबक नहीं सीखा। वे पार्टी को अपने पिता जैसा नेतृत्व नहीं दे पाए। अपने आस-पास ऐसे नेताओं का जमावड़ा कर लिया, जो जमीनी राजनीति पर कम पकड़ रखते हैं और सोशल मीडिया पर बड़ी-बड़ी बातें करते हैं। जो लोकसभा सांसद उनकी पार्टी के चिह्न पर चुनाव जीतकर आए, वे ही उनका साथ छोड़कर जा रहे हैं! संजय राउत ने उन सांसदों के लिए जिन शब्दों का प्रयोग किया, वह एक वरिष्ठ नेता को बिल्कुल भी शोभा नहीं देता है। ये राज्यसभा सांसद आखिर क्या साबित करना चाहते हैं? एक तरफ ये पार्टी के एकजुट होने का दावा करते हैं, दूसरी तरफ अपने ही सांसदों को संबोधित करते हुए मर्यादा भूल जाते हैं! इससे स्पष्ट होता है कि पार्टी में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा था। शिवसेना (उबाठा) के नेतृत्व के साथ सांसदों का तालमेल नहीं बैठ रहा था। ऐसी स्थिति एक रात में पैदा नहीं होती है। लंबी अवधि तक संवादहीनता, गहरे मतभेद और अविश्वास का मिश्रण किसी पार्टी को इस मुकाम पर लाकर छोड़ता है। इसमें अन्य पार्टियों के लिए गहरे सबक हैं। असंतुष्ट नेता हर पार्टी में होते हैं। वे मौका देखकर अपना असली चेहरा दिखाते हैं। जब तक कोई पार्टी चुनाव जीतती रहती है, नेतृत्व की लोकप्रियता बरकरार रहती है, तब तक असंतुष्ट नेताओं के तेवर ढीले रहते हैं। जैसे ही पार्टी का प्रदर्शन कमजोर होने लगता है या चुनावी शिकस्त हो जाती है, नेतृत्व की स्थिति कमजोर पड़ जाती है, तब असंतुष्ट नेता अपनी आवाज बुलंद करते हैं। फिर, उन पर काबू पाना आसान नहीं रहता है।

तृणकां के साथ भी यही हुआ। हालांकि इसका मामला थोड़ा अलग है। जब तक ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री रहीं, उनकी खूब जय-जयकार हुई। अब हालात बिल्कुल उलट हैं। पार्टी के कई विधायक, सांसद और कार्यकर्ता ही नहीं, आम लोग भी खासे नाराज हैं। यह नाराजगी ममता बनर्जी से कहीं ज्यादा अभिषेक बनर्जी के साथ है। उन्हें तृणकां में वरिष्ठ पद विरासत में मिला, ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ी। वहीं, पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ उनके बर्ताव को लेकर सवाल उठते रहे हैं। तृणकां से जुड़े कई जनप्रतिनिधियों ने सत्ता का खूब दुरुपयोग किया था। जो बंगाल कभी साहित्य, संस्कृति, कला और दर्शन के लिए जाना जाता था, वहां 'कटमनी कल्चर' ने जड़ें जमा ली थीं। लोगों को अपने जायज कामों के लिए भी तृणकां नेताओं को रुपए देने पड़ते थे। इससे आम जनता त्रस्त थी। लोगों के बीच यह सोच गहरी होती गई कि तृणकां नेतृत्व के आशीर्वाद के बिना इतनी गड़बड़ नहीं हो सकती। आज जब तृणकां के सांसद बगावत कर रहे हैं तो इसे सिर्फ असंतोष की अभिव्यक्ति के तौर पर नहीं देखना चाहिए। वास्तव में, ये खुद को तृणकां के उस अतीत से भी दूर करना चाहते हैं। अगर ये तृणकां में रहेंगे तो जनता इनसे उन पुराने कारनामों के बारे में सवाल करेगी। चूंकि उस समय तृणकां सत्ता में थी, पार्टी पर ममता और अभिषेक की पकड़ मजबूत थी, इसलिए कोई तृणकां नेता चाह कर भी इनका विरोध नहीं कर सकता था। अब पार्टी सत्ता में नहीं है। ममता बनर्जी का सियासी करिश्मा खत्म हो चुका है। वे अपनी सीट तक नहीं बचा पाईं। अभिषेक बनर्जी में वह संघर्षशील नेता नजर नहीं आता, जो जमीन पर उतरे और सबको साथ लेकर चले। इसलिए तृणकां टूट रही है। यह कहां तक टूटेगी? इसका जवाब ममता और अभिषेक बनर्जी भी नहीं जानते होंगे!

ट्वीटर टॉक

गुजरात के वडोदरा में हुए भयानक सड़क हादसे में कई लोगों की जान जाने की खबर बहुत दिल दहला देने वाली है। भगवान दिवंगत आत्माओं को अपने पवित्र चरणों में जगह दें और दुखी परिवारों को यह बहुत बड़ा दुख सहने की शक्ति दें।

–दिया कुमारी

राष्ट्रनायक, स्वदेश, स्वधर्म और स्वाधीनता के अमर स्वर, 'हिंदुआ सूर्य' वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जी की पावन जयंती पर उदयपुर में मोती डूंगरी स्थित महाराणा प्रताप जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनका स्मरण किया।

–वासुदेव देवनानी

विपक्ष के नेता राहुल गांधी का स्टूडेंटस और युवाओं के अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए अभियान आज कोटा से शुरू हो रहा है। युवाओं को अच्छी शिक्षा, सुरक्षित भविष्य और देश बनाने में समान अवसर देना बहुत ज़रूरी है।

–सचिन पायलट

प्रेरक प्रसंग

करुणा से सभ्यता

एक छात्र ने अमेरिकी मानव विज्ञानी मार्गरेट मीड से पूछा कि किसी सभ्यता की महानता का पहला संकेत क्या होता है। छात्र ने सोचा कि वे महलों, हथियारों या तकनीक का नाम लेंगी। लेकिन मीड ने एक प्राचीन मानव अस्थि का उदाहरण दिया, जिसमें टूटी हुई जांघ की हड्डी ठीक होकर जुड़ चुकी थी। उन्होंने समझाया कि जंगल में घायल प्राणी प्रायः जीवित नहीं बचता, क्योंकि वह चल नहीं सकता, भोजन नहीं जुटा सकता और शिकार बन जाता है। यदि किसी मनुष्य की टूटी हड्डी ठीक हुई, तो इसका अर्थ है कि किसी ने उसे उठाया, उसकी रक्षा की, भोजन दिया और समय देकर स्वस्थ होने तक साथ निभाया। फिर उन्होंने कहा कि सभ्यता का आरंभ करुणा से होता है, केवल निर्माण से नहीं। छात्र समझ गया कि समाज की वास्तविक उन्नति उसकी इमारतों से कम, उसके कमजोर लोगों के प्रति व्यवहार से अधिक मापी जाती है।

सामयिक

हल्दीघाटी के युद्ध में आदिवासी और भील समुदाय का योगदान

डॉ रामेश्वर मिश्र
मोबाइल : 8318845900

हल्दीघाटी का युद्ध भारतीय इतिहास की उन घटनाओं में से एक है जिसे केवल राजाओं और सेनापतियों के संघर्ष के रूप में नहीं देखा जा सकता। यह युद्ध अनेक सामाजिक समूहों, जनजातीय समुदायों और स्थानीय शक्तियों की सहभागिता का भी इतिहास है। 18 जून 1576 को मेवाड़ के वीर शासक महाराणा प्रताप और मुगल सेना के बीच लड़ा गया यह युद्ध भारतीय इतिहास में स्वतंत्रता, स्वाभिमान और संघर्ष का प्रतीक माना जाता है। इस युद्ध की चर्चा प्रायः महाराणा प्रताप, चेतक, हकीम खान सूर और राजा मानसिंह के संदर्भ में की जाती है, किंतु इसके पीछे एक और महत्वपूर्ण शक्ति थी, जिसने मेवाड़ की रक्षा और महाराणा प्रताप के संघर्ष को जीवित रखने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह शक्ति थी मेवाड़ के आदिवासी और विशेष रूप से भील समुदाय की। यदि भीलों का सहयोग महाराणा प्रताप को प्राप्त न होता, तो संभवतः मेवाड़ का प्रतिरोध उतनी दीर्घ अवधि तक जारी नहीं रह पाता। इसलिए हल्दीघाटी के युद्ध और उसके बाद के संघर्षों के इतिहास में भीलों और अन्य आदिवासी समुदायों का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। अरावली पर्वतमाला और उससे जुड़े वन क्षेत्रों में प्राचीन काल से भील समुदाय का निवास रहा है। भील भारत की सबसे प्राचीन जनजातियों में से एक माने जाते हैं। राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के अनेक क्षेत्रों में उनका निवास रहा है। मेवाड़ क्षेत्र में भीलों की उपस्थिति केवल सामाजिक या आर्थिक दृष्टि से ही महत्वपूर्ण नहीं थी, बल्कि राजनीतिक और सैन्य दृष्टि से भी उनका विशेष महत्व था। वे अरावली के दुर्गम जंगलों, पहाड़ियों, घाटियों और प्राकृतिक मार्गों से भलीभांति परिचित थे। यही कारण था कि युद्ध और संघर्ष के समय उनका सहयोग किसी भी शासक के लिए अत्यंत मूल्यवान सिद्ध होता था।

> राणा पूंजा का व्यक्तित्व विशेष रूप से उल्लेखनीय है। उन्हें भील समाज आज भी सम्मान और गौरव के साथ स्मरण करता है। राजस्थान के अनेक क्षेत्रों में उनकी स्मृति से जुड़े आयोजन और परंपराएँ आज भी प्रचलित हैं। वे केवल एक जनजातीय नेता नहीं, बल्कि मेवाड़ की स्वतंत्रता के संघर्ष के महत्वपूर्ण नायक माने जाते हैं। आदिवासी समाज को लंबे समय तक केवल वनवासी या सीमांत समुदाय के रूप में देखा गया, जबकि वास्तविकता यह है कि उन्होंने भारत की सांस्कृतिक और राजनीतिक परंपराओं को समृद्ध बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

महाराणा प्रताप और भील समुदाय के संबंध केवल राजनीतिक नहीं थे, बल्कि उनमें गहरा विश्वास और आत्मीयता भी थी। मेवाड़ के इतिहास में यह उल्लेख मिलता है कि राजपूत शासकों और भीलों के बीच लंबे समय से सहयोग और सहअस्तित्व की परंपरा रही थी। मेवाड़ के राजचिह्नों और परंपराओं में भीलों की भूमिका का उल्लेख मिलता है। कहा जाता है कि मेवाड़ के शासकों के राज्याभिषेक में भीलों की भागीदारी होती थी, जो इस बात का प्रतीक थी कि राज्य की शक्ति केवल राजपरिवार तक सीमित नहीं थी, बल्कि उसमें जनजातीय समाज की भी महत्वपूर्ण भूमिका थी। जब मुगल साम्राज्य का विस्तार हो रहा था और मेवाड़ पर दबाव बढ़ रहा था, तब भीलों ने महाराणा प्रताप का साथ दिया। उन्होंने यह संघर्ष केवल किसी राजा के लिए नहीं, बल्कि अपनी भूमि, अपने वन, अपनी संस्कृति और अपनी स्वतंत्र जीवन शैली की रक्षा के लिए भी किया। उनके लिए मेवाड़ केवल एक राज्य नहीं था, बल्कि वह भूमि थी जिसके साथ उनका अस्तित्व जुड़ा हुआ था। इसलिए जब महाराणा प्रताप ने स्वतंत्रता की रक्षा का संकल्प लिया, तब भील समुदाय स्वाभाविक रूप से उनके साथ खड़ा हुआ।

हल्दीघाटी के युद्ध में भीलों की भूमिका प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों रूपों में महत्वपूर्ण थी। युद्ध के दौरान भील योद्धाओं ने मेवाड़ी सेना का सहयोग किया। यद्यपि उनके पास राजपूत सैनिकों जैसी भारी सैन्य व्यवस्था नहीं थी, फिर भी वे अपने पारंपरिक हथियारों, विशेष रूप से धनुष-बाण के प्रयोग में अत्यंत दक्ष थे। पहाड़ी और वन क्षेत्रों में युद्ध करने की उनकी क्षमता उन्हें विशिष्ट बनाती थी। वे दुर्गम क्षेत्रों में तेजी से आवाजाही कर सकते थे और शत्रु की गतिविधियों पर निगरानी रख सकते थे। हल्दीघाटी के युद्ध के समय भील समुदाय के प्रमुख नेता के रूप में राणा पूंजा का नाम विशेष रूप से लिया जाता है। राणा पूंजा भील समाज के प्रतिष्ठित नेता थे और उन्होंने महाराणा प्रताप के संघर्ष में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लोक परंपराओं और ऐतिहासिक विवरणों में उनका उल्लेख एक ऐसे वीर नेता के रूप में मिलता है जिन्होंने अपने समुदाय को मेवाड़ की रक्षा के लिए संगठित किया। राणा पूंजा और उनके साथियों ने न केवल युद्ध में भाग लिया, बल्कि युद्ध के बाद भी प्रतिरोध को जीवित रखने में योगदान दिया। हल्दीघाटी का युद्ध केवल कुछ घंटों का संघर्ष नहीं था। इसके बाद भी कई वर्षों तक महाराणा प्रताप और मुगलों के बीच संघर्ष चलता रहा। इस दीर्घकालिक संघर्ष में भीलों की भूमिका और भी अधिक महत्वपूर्ण हो गई। युद्ध के बाद महाराणा प्रताप को अरावली के दुर्गम क्षेत्रों में रहकर संघर्ष जारी रखना पड़ा। इन कठिन परिस्थितियों में भीलों ने उन्हें आश्रय, सुरक्षा, भोजन और आवश्यक सूचनाएँ उपलब्ध कराईं। वे जंगलों के मार्गदर्शक बने, संदेशवाहक बने और आवश्यकता पड़ने पर सैनिक भी बने।

हल्दीघाटी के युद्ध और उसके बाद के संघर्षों में भीलों के योगदान का एक महत्वपूर्ण पक्ष उनकी सांस्कृतिक भूमिका भी है। उन्होंने महाराणा प्रताप की गाथाओं को लोकस्मृति में जीवित रखा। राजस्थान और आसपास के क्षेत्रों में प्रचलित अनेक लोकगीतों, कथाओं और जनश्रुतियों में भीलों के साहस और सहयोग का वर्णन मिलता है। इन लोक परंपराओं ने इतिहास को केवल अभिलेखों में नहीं, बल्कि जनमानस में भी संरक्षित रखा। भारतीय इतिहास लेखन में लंबे समय तक ध्यान मुख्यतः राजाओं, साम्राज्यों और युद्धों पर केंद्रित रहा। परिणामस्वरूप जनजातीय समुदायों और सामान्य लोगों के योगदान को अपेक्षित महत्व नहीं मिल पाया।

किंतु आधुनिक इतिहासकारों ने इस बात पर बल दिया है कि इतिहास केवल राजाओं का नहीं होता, बल्कि उन समुदायों का भी होता है जिन्होंने समाज और राष्ट्र के निर्माण में योगदान दिया। हल्दीघाटी के युद्ध के संदर्भ में भीलों की भूमिका इसी व्यापक दृष्टिकोण का महत्वपूर्ण उदाहरण है। भील समुदाय की सहभागिता यह भी दर्शाती है कि स्वतंत्रता और स्वाभिमान की रक्षा केवल शासकों का कार्य नहीं होता। जब किसी समाज के विभिन्न वर्ग एक साझा उद्देश्य के लिए एकजुट होते हैं, तभी दीर्घकालिक प्रतिरोध संभव हो पाता है। मेवाड़ का संघर्ष राजपूतों और भीलों के सहयोग का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। यह सहयोग सामाजिक समरसता और साझी जिम्मेदारी की भावना को भी प्रकट करता है।

राणा पूंजा का व्यक्तित्व विशेष रूप से उल्लेखनीय है। उन्हें भील समाज आज भी सम्मान और गौरव के साथ स्मरण करता है। राजस्थान के अनेक क्षेत्रों में उनकी स्मृति से जुड़े आयोजन और परंपराएँ आज भी प्रचलित हैं। वे केवल एक जनजातीय नेता नहीं, बल्कि मेवाड़ की स्वतंत्रता के संघर्ष के महत्वपूर्ण नायक माने जाते हैं। आदिवासी समाज को लंबे समय तक केवल वनवासी या सीमांत समुदाय के रूप में देखा गया, जबकि वास्तविकता यह है कि उन्होंने भारत की सांस्कृतिक और राजनीतिक परंपराओं को समृद्ध बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हल्दीघाटी का युद्ध इसका एक उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करता है। भीलों ने यह सिद्ध किया कि वे केवल दर्शक नहीं थे, बल्कि इतिहास के सक्रिय निर्माता थे। आज जब हम हल्दीघाटी के युद्ध को स्मरण करते हैं, तब हमें केवल राजाओं और सेनापतियों को ही नहीं, बल्कि उन आदिवासी योद्धाओं को भी याद करना चाहिए जिन्होंने अपनी भूमि और अपने सहयोगियों की रक्षा के लिए संघर्ष किया। उनका साहस, त्याग और निष्ठा इतिहास की अमूल्य धरोहर है। आधुनिक भारत में आदिवासी समुदायों के योगदान को उचित सम्मान देना ऐतिहासिक न्याय की दृष्टि से भी आवश्यक है। हल्दीघाटी का युद्ध हमें यह सिखाता है कि किसी भी बड़े संघर्ष की सफलता केवल एक व्यक्ति या एक वर्ग के प्रयासों पर निर्भर नहीं होती। इसके पीछे अनेक लोगों का सामूहिक योगदान होता है। भीलों और अन्य आदिवासी समुदायों ने मेवाड़ की स्वतंत्रता की रक्षा में जो भूमिका निभाई, वह इस सामूहिक शक्ति का प्रमाण है। उन्होंने यह दिखाया कि जब स्वाभिमान, स्वतंत्रता और अपनी भूमि की रक्षा का प्रश्न हो, तब समाज के विभिन्न वर्ग एकजुट होकर इतिहास रच सकते हैं।

अंततः कहा जा सकता है कि हल्दीघाटी के युद्ध में आदिवासी और विशेष रूप से भील समुदाय का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक था। उन्होंने युद्ध में भाग लेकर, गुरिल्ला संघर्ष में सहयोग देकर, सूचनाएँ उपलब्ध कराकर, आश्रय प्रदान करके और अपने संसाधनों को साझा करके महाराणा प्रताप के संघर्ष को जीवित रखा। राणा पूंजा और उनके साथियों का योगदान भारतीय इतिहास की गौरवपूर्ण विरासत है। हल्दीघाटी का युद्ध केवल राजपूती वीरता की गाथा नहीं, बल्कि आदिवासी साहस, निष्ठा और साझी स्वतंत्रता चेतना का भी इतिहास है। यह हमें स्मरण कराता है कि भारत का इतिहास अनेक समुदायों के संयुक्त प्रयासों से निर्मित हुआ है और उसमें आदिवासी समाज का स्थान सम्मान, गौरव और कृतज्ञता के साथ स्मरण किए जाने योग्य है।

नजरिया

गुरु अर्जन देव : ज्ञान, सेवा और शहादत की अमर ज्योति

योगेश कुमार गोयल
मोबाइल : 9416740584

सनातन संस्कृति के गौरवपूर्ण इतिहास में सिख धर्म के पांचवें गुरु श्री गुरु अर्जन देव जी ऐसे महान गुरु हुए हैं, जिनके अनमोल विचार समस्त मानव जाति को सद्मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने जीवन पर्यन्त अपने अनमोल विचारों के जरिये न केवल अज्ञानता में डूबे मानव को ज्ञान का प्रकाश दिखाया बल्कि देश-धर्म की रक्षा के लिए स्वयं को बलिदान भी कर दिया था। उनकी शहादत को स्मरण करते हुए सिख कैलेंडर के हिसाब से 18 जून को सिख धर्म के पहले शहीद गुरु अर्जन देव जी का शहीदी पर्व मनाया जा रहा है। इस अवसर पर उनसे जुड़े कुछ प्रसगों का उल्लेख करना प्रासंगिक है।

सभी धर्मों का सम्मान करने और सदैव लोगों की सेवा में ही लगे रहने के कारण गुरु अर्जन देव से मिलने और उनका आशीर्वाद लेने लिए विभिन्न धर्मों एवं आस्थाओं के लोग दूर-दूर से आते थे और उनसे ज्ञान एवं आनंद की अनुभूति पाते थे। ऐसे ही एक दिन उनके पास एक श्रद्धालु आकर कहने लगा कि गुरु जी! आपकी संगति में ज्ञान प्राप्त करके मैं अब सत्य के मार्ग पर चलने लगा हूं और मैंने व्यर्थ के लड़ाई-झगड़े करने पूरी तरह छोड़ दिए हैं, इसीलिए सभी लोग अब मुझे बहुत पसंद करने लगे हैं जबकि पहले कोई मेरी सूरत भी नहीं देखना चाहता था। यह सुनकर गुरू अर्जन देव मुस्कराने लगे और बोले कि यदि दुनिया में सभी प्राणियों को यह ज्ञान हो जाए तो मानव जीवन सफल व सुंदर हो जाए और पूरी दुनिया ही शांति एवं सुकून का केंद्र बन जाए।

श्रद्धालु ने स्वर्ण मुद्राओं से भरी अपनी थैली निकाली और गुरु अर्जन देव की ओर बढ़ाते हुए बोला कि गुरु जी, मैंने आपसे असीम ज्ञान प्राप्त किया है, जिसके लिए मैं आजीवन आपका ऋणी रहूंगा और इस ज्ञान के बदले मैं स्वेच्छा से आपको कुछ स्वर्ण मुद्राएं भेंट स्वरूप देना चाहता हूं, कृपया इन्हें स्वीकार करें। गुरु अर्जन देव ने स्वर्ण मुद्राएं लेने से इन्कार करते हुए कहा कि ज्ञान का कोई मोल नहीं क्योंकि वह अनमोल होता है और यहां ज्ञान निःस्वार्थ और निःशुल्क दिया जाता है। इस पर श्रद्धालु ने जिदपूर्वक कहा कि गुरूदेव! यह आपसे मुझे मिले ज्ञान की कीमत नहीं है बल्कि मैं श्रद्धापूर्वक आपको यह उपहार देना चाहता हूं। इस पर गुरु अर्जन देव बोले कि यदि तुम कुछ देना ही चाहते हो तो तुमने जो ज्ञान मुझसे ग्रहण किया है, उसे दूसरों को निःस्वार्थ भाव से बांटो क्योंकि ज्ञान एक प्रसाद है और दुनिया की भलाई के लिए यह प्रसाद लोगों में बंटना ही चाहिए। यह सुनते ही श्रद्धालु गुरू अर्जन देव के चरणों में नतमस्तक होते हुए बोला कि आपका कथन सत्य है गुरूदेव! इस ज्ञान के आगे भला इन स्वर्ण मुद्राओं का क्या मोल? आज से मैं आपका दिए ज्ञान का प्रसाद सभी में प्रेमपूर्वक बांटूंगा ताकि दुनिया और भी सुंदर हो जाए।

> गुरू अर्जन देव के समय में बाला और कृष्णा नामक दो पंडित भ्रमण करते हुए जगह-जगह सुंदरकथा का पाठ कर लोगों को आत्मिक शांति प्रदान किया करते थे। कथा सुनने वाले लोग उनसे बहुत प्रभावित होते थे। एक दिन दोनों पंडितों ने गुरु अर्जन देव के दरबार में उपस्थित होकर उनसे प्रार्थना करते हुए कहा, महाराज! हम तो लोगों को सुंदरकथा के माध्यम से आत्मिक शांति प्रदान करते हैं लेकिन हमारे मन में शांति नहीं है, इसलिए आप कोई ऐसा उपाय बताएं, जिससे हमारे मन को भी शांति मिले।

गुरू अर्जन देव मन की शांति को सुख प्राप्ति का सबसे अच्छा मार्ग मानते थे। दरअसल मन की शांति अनमोल है, जिसे कभी खरीदा नहीं जा सकता। अलग-अलग व्यक्तियों को अलग-अलग कार्य करके शांति मिलती है लेकिन दूसरों की सेवा करने के भाव से मन को सच्ची और असीम शांति मिलती है। हालांकि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग इस कदर व्यस्त हो गए हैं कि उनके मन की शांति गायब हो गई है। इस कारण लोगों में अवसाद जैसी बीमारियां भी बढ़ रही हैं। जब मन अशांत रहता है तो व्यक्ति का ध्यान भटकता है और मन का शांत न रहना असफलता का सबसे बड़ा कारण बनता है। जब कोई व्यक्ति अपने पास मौजूद संसाधनों से पूरी तरह संतुष्ट हो, जीवन में नकारात्मकता से कोसों दूर हो और चेहरे पर सदैव एक सुकून भरी मुस्कान हो, ऐसे व्यक्ति का मन पूर्ण शांति का अनुभव कर रहा होता है। वास्तव में आत्मसंतोष और संतुष्टि ही मन की शांति है। शास्त्रों में कहा गया है कि जो मनुष्य अपने मन पर नियंत्रण कर लेता है, उसका भाग्य बदल जाता है।

गुरू अर्जन देव के समय में बाला और कृष्णा नामक दो पंडित भ्रमण करते हुए जगह-जगह सुंदरकथा का पाठ कर लोगों को आत्मिक शांति प्रदान किया करते थे। कथा सुनने वाले लोग उनसे बहुत प्रभावित होते थे। एक दिन दोनों पंडितों ने गुरु अर्जन देव के दरबार में उपस्थित होकर उनसे प्रार्थना करते हुए कहा, महाराज! हम तो लोगों को सुंदरकथा के माध्यम से आत्मिक शांति प्रदान करते हैं लेकिन हमारे मन में शांति नहीं है, इसलिए आप कोई ऐसा उपाय बताएं, जिससे हमारे मन को भी शांति मिले। गुरु अर्जुन देव ने उनकी समस्या का समाधान बताते हुए कहा कि यदि तुम मन की शांति चाहते हो तो कथा वाचन के अपने तरीके में बदलाव कर निष्काम भाव से कथा करो, तभी तुम्हें अपने मन में भी सच्ची शांति का अनुभव होगा। यदि कथा के जरिये केवल धन प्राप्त करने के लालच से ही कथा करोगे तो तुम्हारे मन को शांति कभी प्राप्त नहीं हो सकती बल्कि इससे मन का लालच बढ़ता ही जाएगा और मन पहले से भी ज्यादा चंचल और अशांत होगा। इसलिए कथा के माध्यम से जो तुम अन्य लोगों को समझाते हो, परमात्मा को अपने संग जानकर उस कथनी पर स्वयं भी अमल करो, तब मन को शांति अवश्य मिलेगी। आज के समय में गुरू अर्जन देव के ये उपदेश बहुत प्रासंगिक हैं। यह जरूरी है कि मन की शांति पाने के लिए प्रतिदिन कुछ पल शांति से बैठकर स्वयं से बातें करें और अपने भीतर की आवाज को सुनने का प्रयास करें। वैसे मन को असली शांति तभी मिलती है, जब दूसरों को कही जाने वाली बातों पर हम स्वयं भी अमल करते हैं।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. Editor-Shreekant Parashar, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड्र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

विरोध

तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष और पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बुधवार को कोलकाता के धर्मतल्ला इलाके में फेरीवालों (हॉकर्स) द्वारा निकाले गए विरोध मार्च में शामिल हुईं।

'अल्फा' का ट्रेलर रिलीजः आलिया भट्ट और बॉबी देओल में होगी जंग

मुंबई/एजेन्सी

यश राज फिल्म्स की बहुप्रतीक्षित स्पाई एक्शन फिल्म 'अल्फा' का ट्रेलर आखिरकार रिलीज हो गया है। लंबे समय से इस फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता बनी हुई थी और अब ट्रेलर ने फिल्म की कहानी, किरदारों और एक्शन की झलक दिखाकर फैंस का उत्साह बढ़ा दिया है। ट्रेलर 2 मिनट 33 सेकंड का है। इसमें एक्शन, सस्पेंस, इमोशन और दमदार विजुअल्स है। इसके जरिए मेकर्स ने पहली बार फिल्म की कहानी को लेकर कई बड़े खुलासे भी किए गए हैं, जिनमें आलिया भट्ट के किरदार का बैकग्राउंड, बॉबी देओल का खतरनाक रोल और ऋतिक रोशन के कैमियो शामिल है। ट्रेलर की बात करें, तो इसकी शुरुआत एक छोटी बच्ची से होती है, जिसका नाम बॉबी देओल सीता रखते हैं। बॉबी देओल का किरदार कहता है– 'इसकी मां का नाम जानकी था और हम इसे सीता बनावेंगे।' यह बच्ची आलिया भट्ट का किरदार है। इस दौरान उनकी एंट्री दिखाई जाती है और बैकग्राउंड में एक वॉयस चलती है, जिसमें आलिया कहती है– 'कहानी कुछ यूं है– एक राक्षस था। घमंड उसका शस्त्र है। वह धोखे से राज करता था और झूठ से जीतता था। एक दिन एक राजकुमारी को अपने घर ले गया। इतिहास जानता है कि उस कहानी का अंत कैसे हुआ। पर इस बार सीता आज लंका खुद जलाने आई है।' ट्रेलर में आलिया भट्ट का अब तक का सबसे दमदार एक्शन अवतार देखने को मिलता है। वह कई दुश्मनों का सामना करती नजर आती हैं– बंदूकें चलाती हुई, विस्फोट करती हुई। उनके किरदार को काफी प्रभावशाली तरीके से दिखाया गया है। फिल्म में आलिया के साथ शरवरी वाघ भी हैं, जिनका किरदार कहानी की सबसे अहम कड़ियों में से एक हैं।

ट्रेलर में कई एक्शन सीन्स में वह आलिया के साथ कंधे से कंधा मिलाकर दुश्मनों से लड़ती दिखाई दी है। वहीं कुछ सीन्स में दोनों आपस में भी फाइट करती दिखी।वहीं बॉबी देओल एक बार फिर अपने रहस्यमयी अंदाज में होंगे। टीजर को देख, पहले दर्शक जो बॉबी देओल को आलिया भट्ट के किरदार का असली पिता समझ रहे थे, ट्रेलर ने उनकी भूमिका को साफ कर दिया है। वह 'अल्फा' मिशन के लिए आलिया को बचपन में किडनैप करते है और फिर खूंखार तरीके से उसे ट्रेन करते हैं।बॉबी देओल का किरदार फतेह 'अल्फा प्रोग्राम' मिशन को लेकर काफी जुनूनी है, और उसके रास्ते में जो भी आता है, वह उसे मार देता है। फिल्म में अनिल कपूर भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। वह रॉ चीफ के रूप में नजर आते हैं। ट्रेलर में वह सीता को बताते दिखते है कि आखिर फतेह के खिलाफ क्या प्लानिंग करनी है और क्यों उससे डरने की जरूरत है।ट्रेलर का सबसे बड़ा सरप्राइज ऋतिक रोशन की एंट्री है।

पोज

अभिनेता व कॉमेडियन कृष्णा अभिषेक और कश्मीरा शाह बुधवार को मुंबई में 'लाफ्टर शेफ्स सीजन 3' के सेट पर मीडिया के कैमरों को पोज देते हुए।

प्रधानमंत्री मोदी और जर्मन चांसलर मर्ज ने व्यापार, रक्षा पर द्विपक्षीय बातचीत की

एवियॉन (फ्रांस)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज के साथ द्विपक्षीय बातचीत की, जिसमें व्यापार, निवेश और रक्षा जैसे क्षेत्रों में आपसी सहयोग को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

फ्रांस के एवियॉन शहर में जी7 शिखर सम्मेलन से इतर हुई बातचीत में मोदी और मर्ज ने पश्चिम एशिया के हालात और रूस–यूक्रेन संघर्ष पर भी विचारों का आदान–प्रदान किया। दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया में संघर्ष की समाप्ति के लिए अमेरिका और ईरान के बीच बनी सहमति का स्वागत भी किया।

मोदी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, जर्मनी के चांसलर मर्ज के साथ बातचीत बहुत सार्थक रही। हमने व्यापार, निवेश, चक्रीय अर्थव्यवस्था, रक्षा, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और अन्य क्षेत्रों में संयुक्त प्रयासों के जरिये आपसी सहयोग को और मजबूत करने की संभावनाओं पर चर्चा की। उन्होंने लिखा, हमने इस बारे में भी बात की कि हम अपने देशों के बीच सांस्कृतिक संबंधों को कैसे मजबूत कर सकते हैंफिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि दोनों नेताओं के बीच रक्षा मामलों पर हुई बातचीत में क्या–क्या शामिल था।भारत छह स्टील्थ पनडुब्बियां खरीदने की प्रक्रिया में है। जर्मन रक्षा कंपनी थिसेनक्रुप मरीन सिस्टम्स (टीकेएमएस) और मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) भारतीय नौसेना को छह स्टील्थ पनडुब्बियों की आपूर्ति करने के लिए पांच अरब यूरो के समझौते को लेकर रक्षा मंत्रालय के साथ कीमत पर बातचीत कर रही हैं। स्टील्थ पनडुब्बियों से आशय पानी के अंदर खामोशी से संचालन करने और सेंसर व राडार की नजरों से छिपने में सक्षम नौसैनिक पोतों से है। मोदी और मर्ज के बीच बातचीत के कुछ देर बाद विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों में हुई प्रगति की समीक्षा की और भारत–जर्मनी रणनीतिक साझेदारी को नये सिरे से गति मिलने पर संतोष जताया। मंत्रालय के मुताबिक, मोदी और मर्ज ने भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए बातचीत के समापन का भी संज्ञान लिया।

मंत्रालय ने कहा, 2026 में जब भारत और जर्मनी राजनयिक संबंधों की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ मनाएंगे, तब दोनों नेता व्यापार एवं निवेश, रक्षा एवं सुरक्षा, हरित एवं सतत विकास, प्रौद्योगिकी, नवाचार, शिक्षा और परिवहन जैसे क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने का अपना संकल्प दोहराएंगे।

'इश्कनामा' में काम के अनुभव को लेकर बोलीं शहनाज गिल, 'ऐसे अनुभव खुद को बेहतर बनाते हैं'

मुंबई/एजेन्सी

मशहूर अभिनेत्री शहनाज गिल की आने वाली फिल्म 'इश्कनामा' का टीजर रिलीज हो गया है, जिसने दर्शकों के बीच उत्साह को बढ़ा दिया है। यह फिल्म एक इमोशनल इंडो–पाक लव स्टोरी पर बेस्ड है, जिसमें प्यार, जुदाई और सीमाओं के बीच अधूरे रिश्तों की कहानी दिखाई जाएगी। फिल्म की शूटिंग पंजाब और राजस्थान में हुई है। टीजर को चंडीगढ़ के एक इवेंट में रिलीज किया गया। इस दौरान फिल्म से जुड़े कलाकारों ने संग अपने अनुभव साझा किए। अभिनेता सौरभ सचदेवा ने से बात करते हुए कहा, ''जब मुझे इस प्रोजेक्ट के लिए पहली बार संपर्क किया गया, तो मैंने साफ बता दिया था कि मैंने कभी पंजाबी फिल्म में काम नहीं किया है। लेकिन, इसकी कहानी ने मुझे इस प्रोजेक्ट से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। यह एक ऐसा अवसर है, जिसे मैं छोड़ना नहीं चाहता था। मैंने बिना ज्यादा सोच–विचार के इस फिल्म के लिए हां कर दी।''

उन्होंने आगे कहा, ''फिल्म के सेट पर सभी कलाकार और क्रू मेंबर्स एक–दूसरे के साथ खुलकर विचार साझा करते थे। किसी भी सीन या आइडिया पर चर्चा करने की पूरी आजादी थी, जिससे क्रिएटिविटी और भी बेहतर तरीके से सामने आई। इस तरह का माहौल किसी भी फिल्म को खास बना देता है, क्योंकि इससे काम करने में आसानी और खुशी दोनों मिलती हैं।'' अभिनेता जय रंधावा ने भी फिल्म की कहानी और शूटिंग अनुभव के बारे में बात की। उन्होंने कहा, ''फिल्म की शूटिंग पंजाब और राजस्थान जैसे दो अलग–अलग स्थानों पर की गई है, जिससे कहानी को असली जैसा बैकड्रॉप मिला। यह फिल्म एक इंडो–पाक लव स्टोरी पर आधारित है और बॉर्डर पार प्यार की भावना को दर्शाती है। यह कहानी पंजाबी सिनेमा में पहली बार इस तरह के बड़े और अलग दृष्टिकोण के साथ पेश की जा रही है। यह फिल्म 'बॉर्डरनामा' नामक नॉवेल पर आधारित है।''

इनके अलावा, अभिनेत्री शहनाज गिल ने अपने किरदार और फिल्म को लेकर से विचार साझा किए। उन्होंने कहा, ''अच्छे कलाकारों के साथ काम करना हमेशा सीखने का मौका देता है और ऐसे अनुभव से कलाकार खुद को बेहतर बना पाते हैं। मैं हमेशा ऐसे प्रोजेक्ट्स की तलाश में रहती हूं, जो ज्यादा अर्थपूर्ण हों, ताकि अभिनय में और गहराई लाई जा सके।'' शहनाज ने कहा, ''मैं फिल्म में एक पाकिस्तानी लड़की का किरदार निभा रही हूं, जिसका नाम टोरी है। वह बहुत ही मजबूत और साहसी लड़की है, जो अपने प्यार को पाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है। यह भूमिका मेरे लिए चुनौतीपूर्ण और अलग अनुभव रही है।''

ईरान समझौते की कोशिशों के बीच ट्रंप और नेतन्याहू के रिश्तों में तनाव उभरा

वाशिंगटन/एपी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच लंबे समय से चले आ रहे करीबी संबंध अब परीक्षा के दौर से गुजरते दिख रहे हैं। ईरान के साथ युद्ध समाप्त करने के लिए समझौते को अंतिम रूप देने की ट्रंप की कोशिशों के बीच उन्होंने नेतन्याहू की सार्वजनिक रूप से आलोचना की है।

पिछले वर्ष नेतन्याहू ने ट्रंप को ''व्हाइट हाउस में इजराइल का सबसे बड़ा मित्र'' बताया था। हालांकि अब ट्रंप ने नेतन्याहू के फैसलों पर सवाल उठाते हुए तीखी टिप्पणियां की हैं। उन्होंने यहां तक कहा कि ''मेरे बिना इजराइल नहीं होता।'' नेतन्याहू चार अमेरिकी राष्ट्रपतियों के कार्यकाल के दौरान प्रधानमंत्री रहे हैं और विभिन्न अवसरों पर सभी प्रशासन के साथ उनके मतभेद रहे हैं। हालांकि किसी अमेरिकी राष्ट्रपति ने सार्वजनिक रूप से उनकी आलोचना उतनी खुलकर नहीं की, जितनी ट्रंप ने की है।

सफाई

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी और राज्य मंत्री अग्निमित्रा पॉल बुधवार को कोलकाता के मायेर घाट पर 'स्वच्छता से स्वागत' अभियान के तहत सफाई अभियान में भाग लेते हुए।

संचिता उगले मौत मामले पर एआईसीडब्ल्यूए की देवेंद्र फडणवीस से मांग, एसआईटी करे जांच

मुंबई/एजेन्सी

टीवी और फिल्म इंडस्ट्री से जुड़ी युवा अभिनेत्री संचिता उगले की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत ने एक बार फिर पूरे मनोरंजन जगत को झकझोर दिया है। इस मामले को लेकर अब ऑल इंडियन सिने वर्कर्स एसोसिएशन (एआईसीडब्ल्यूए) ने महाराष्ट्र सरकार से स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) के गठन की मांग की है। संगठन के अध्यक्ष सुरेश श्यामलाल गुप्ता ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखकर इस पूरे मामले की निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच कराने की अपील की है। सुरेश गुप्ता ने अपने पत्र में कहा, ''पिछले कुछ सालों में फिल्म और टीवी इंडस्ट्री में कई ऐसी घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें आत्महत्या और संदिग्ध मौत के मामले शामिल रहे हैं। हर इंसान की जिंदगी बेहद कीमती होती है और किसी भी परिवार को यह अधिकार है कि उसे सच्चाई और न्याय मिले। ऐसे मामलों में पारदर्शी जांच न केवल परिवार के लिए जरूरी है, बल्कि पूरे समाज का भरोसा बनाए रखने के लिए भी महत्वपूर्ण है।''

एसोसिएशन ने कहा, ''यदि इस मामले की ठीक से जांच होती है तो इससे संचिता के परिवार को न्याय मिलेगा। साथ ही फिल्म इंडस्ट्री में काम करने वाले अन्य कलाकारों का भरोसा भी मजबूत होगा। ऐसे मामलों को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए और हर पहलू की गहराई से जांच होनी चाहिए, ताकि भविष्य में किसी और कलाकार को ऐसी स्थिति का सामना न करना पड़े।''

एसोसिएशन ने अपने पत्र में अनुरोध किया, ''संचिता की आखिरी सोशल मीडिया पोस्ट को भी जांच का हिस्सा बनाया जाए। इस मामले में कई सवाल उठ रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि एक 22 वर्षीय युवा कलाकार, जिसके पास करियर और भविष्य के कई सपने थे, उसने ऐसा कदम क्यों उठाया। क्या इसके पीछे कोई मानसिक दबाव था, कोई बाहरी कारण था या फिर कोई और परिस्थिति, इन सभी पहलुओं की जांच जरूरी है। बिना किसी सबूत के किसी निष्कर्ष पर पहुंचना गलत होगा, इसलिए हर एंगल से जांच की जानी चाहिए।''इस पूरे मामले की जांच को लेकर संगठन ने कहा, किसी भी संभावना को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। केवल निष्पक्ष और विस्तृत जांच ही इस केस में सच्चाई सामने ला सकती है। ऐसी जांच से यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि भविष्य में इंडस्ट्री में काम करने वाले कलाकारों की सुरक्षा और मानसिक स्थिति को लेकर भी बेहतर कदम उठाए जाएं। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, संचिता उगले नालासोपारा ईस्ट के साई संतोषी बिल्डिंग में रहती थीं। घटना 14 जून को शाम लगभग 7 बजे से 7:30 बजे के बीच की बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, उन्होंने अपने कमरे का दरवाजा बंद कर पंखे से साड़ी के जरिए फांसी लगाकर आत्महत्या की थी।

'गुल्लक 5' में अपने किरदार की बारीकियां कैसे की तैयार? हर्ष मायर ने बताया अभिनय का राज

मुंबई/एजेन्सी

लोकप्रिय वेबसीरीज 'गुल्लक' में आम जिंदगी की कहानी को बेहद करीब से दिखाया गया है, जिसके चलते इसने दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। अब इस शो के पांचवें सीजन को लेकर दर्शकों में खासा उत्साह है। इस बीच सीरीज में अहम किरदार निभा रहे हर्ष मायर ने संग बातचीत में कई दिलचस्प बातें साझा कीं। सीरीज में हर्ष मायर ने अमन का किरदार निभाया है। से बात करते हुए हर्ष मायर ने कहा, ''एक कलाकार के लिए सबसे जरूरी होता है कि वह अपने किरदार को सिर्फ निभाए नहीं, बल्कि उसे महसूस भी करे, ताकि दर्शकों को वह कहानी असली लगे। मैं हर सीजन में अपने रोल में कुछ नया जोड़ने की कोशिश करता हूं। मैंने अपने किरदार के स्वभाव को असली जिंदगी से समझने की कोशिश की।'' उन्होंने कहा, ''मेरा एक छोटा भाई है। अपने किरदार के लिए मैंने उसी के व्यवहार, आदतों और प्रतिक्रियाओं को अपने रोल में शामिल किया। लेकिन किरदार को वास्तविक बनाने के लिए सिर्फ एक स्रोत पर निर्भर रहना काफी नहीं होता, बल्कि जिंदगी के अलग–अलग अनुभवों को जोड़ना जरूरी होता है, इसलिए डायरेक्टर जो बताते थे, वह भी मेरे अभिनय को सही दिशा में ले जाने में मदद करता था।''

उन्होंने कहा, ''सीरीज में कुछ डायलॉग्स काफी लोकप्रिय हुए, जो मैंने असल जिंदगी के अनुभव को देखकर बोले थे। कभी–कभी आम लोगों की कही हुई छोटी–छोटी बातें भी किरदार को बहुत गहराई देती हैं। अभिनय का असली मजा तभी आता है, जब कलाकार अपने व्यक्तिगत अनुभवों को किरदार के साथ जोड़ पाता है।''

इस बार कहानी में मिश्रा परिवार के घर में बदलाव दिखाई दे रहा है। घर में नया रंग–रोगन है, वाई–फाई कनेक्शन है और नई चीजों को अपनाने की कोशिश भी दिखाई गई है।

लेकिन, इन बदलावों के बीच परिवार के पुराने संस्कार, रिश्तों की मिठास और एक–दूसरे के लिए चिंता वैसी ही बनी है। शो यह दिखाने की कोशिश है कि बदलते समय में भी परिवार की असली ताकत साथ रहने और एक–दूसरे को समझने में होती है। नए सीजन में शांति मिश्रा की जिंदगी में एक मजेदार मोड़ भी आया है। 'बिट्टू की मम्मी' नाम से उन्हें ऑनलाइन दुनिया में थोड़ी पहचान मिलने लगी है। 'गुल्लक 5' का प्रीमियर 5 जून को सोनी लिव पर हुआ है।

अमृता राव ने ठुकराईं सलमान-रणबीर जैसे बड़े सुपरस्टार्स की फिल्में, इंडस्ट्री में बनाई अलग पहचान

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री अमृता राव ने अपने करियर में कई हिट फिल्मों में काम किया लेकिन इस दौरान कुछ बड़े ऑफर भी ठुकराए। इनमें सलमान खान और रणबीर कपूर जैसे सुपरस्टार्स की फिल्में भी शामिल थीं। उन्होंने अपने दमदार अभिनय के दम पर बॉलीवुड में एक अलग पहचान बनाई। अमृता राव का जन्म 7 जून 1981 को मुंबई में हुआ था। उन्होंने अपनी पढ़ाई मुंबई से की लेकिन मॉडलिंग और अभिनय की दुनिया में बढ़ती रुचि के कारण पढ़ाई बीच में छोड़ दी। उन्होंने करियर की शुरुआत विज्ञापन और म्यूजिक वीडियो से की थी। साल 2002 में अमृता ने फिल्म 'अब के बरस' से बॉलीवुड में कदम रखा। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता हासिल नहीं कर सकी लेकिन उनके अभिनय ने दर्शकों का ध्यान खींचा। इसके अलावा, वह 'द लीजेंड ऑफ भगत सिंह' में भी नजर आईं। हालांकि, उनके करियर का टर्निंग प्वाइंट 2003 में आई फिल्म 'इश्क विश्क' रही, जिसमें उनके साथ शाहिद कपूर थे। फिल्म हिट रही और अमृता रातोंरात दर्शकों की पसंदीदा अभिनेत्री बन गईं। इस फिल्म के लिए उन्हें आईफा स्टार डेब्यू ऑफ द ईयर अवॉर्ड भी मिला। इसके बाद अमृता राव ने 'मस्ती', 'मैं हूं ना', 'वाह! लाइफ हो तो ऐसी', 'प्यारे मोहन' और 'विवाह' जैसी फिल्मों में काम किया। खास तौर पर 2006 में रिलीज हुई 'विवाह' ने उनकी लोकप्रियता को और बढ़ा दिया। फिल्म में उन्होंने पूनम का किरदार निभाया था, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। उनकी सादगी सीधे लोगों के दिलों को छू गई। इस फिल्म के बाद उन्हें देश–विदेश से शादी के ऑफर्स तक मिलने लगे थे।

अमृता राव हमेशा अपनी शर्तों पर काम करने के लिए जानी गईं। यही वजह रही कि उन्होंने कुछ बड़े प्रोजेक्ट्स को भी ठुकरा दिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रणबीर कपूर की फिल्म 'बचना ऐ हसीनों' का ऑफर पहले अमृता को मिला था, लेकिन फिल्म में किसिंग सीन होने के कारण उन्होंने इसे ठुकरा दिया। बाद में यह फिल्म दूसरी अभिनेत्री के पास चली गई और इस तरह यशराज फिल्म्स के साथ एक बड़े कॉन्ट्रैक्ट को साइन करने का मौका भी उन्होंने छोड़ दिया।

इतना ही नहीं, अमृता ने सलमान खान की सुपरहिट फिल्म 'प्रेम रतन धन पायो' में भी काम करने से इनकार कर दिया था। बताया जाता है कि उन्हें फिल्म में सलमान खान की बहन का किरदार ऑफर किया गया था लेकिन उन्होंने यह भूमिका करने से मना कर दिया। इसके अलावा 'नील एन निक्की' जैसी फिल्म भी उन्होंने बोल्ड सीन्स की वजह से नहीं की। उनके करियर में काफी उतार–चढ़ाव भी आए। कई फिल्में उम्मीद के मुताबिक नहीं चलीं, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। 'वेलकम टू सज्जनपुर', 'जॉली एलएलबी', 'सिंह साब द ग्रेट', 'सत्याग्रह' और 'ठाकरे' जैसी फिल्मों में भी उन्होंने शानदार काम किया। टीवी की दुनिया में भी उन्होंने 'मेरी आवाज ही पहचान है' के जरिए कदम रखा।अवॉर्ड्स की बात करें तो अमृता राव को आईफा अवॉर्ड, स्टारडस्ट अवॉर्ड समेत कई सम्मान मिले। 'मैं हूं ना' फिल्म के लिए उन्हें फिल्मफेयर के बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस कैटेगिरी में नॉमिनेशन भी मिला था। निजी जीवन की बात करें तो उन्होंने रेडियो जॉकी अनमोल सूद से शादी की है और आज वह अपने परिवार के साथ खुशहाल जीवन बिता रही हैं।

कर्नाटक जैन फोरम की समिति की बैठक संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक श्वेताम्बर जैन फोरम समिति (केएसजेएफ) की एक बैठक का आयोजन मंगलवार को गोडवाड़ भवन में किया गया। इस मौके पर हितेश गिरिया ने फोरम की अब तक की गतिविधियों, पंजीकरण प्रक्रिया, आजीवन सदस्यता अभियान, विभिन्न समितियों के गठन तथा आगामी योजनाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी दी। सिद्धार्थ जैन की समाज हित में किए गए प्रयासों की सराहना की।

इस अवसर पर रेणु रांका, डीसी जैन, हितेश गिरिया, सुरेश चावत, लाभेश कांसवा, भावना मकाना, नितेश राठौड़, पवन जैन, लोकेश, दिनेश लोढ़ा, बिपिन संघवी, महेन्द्र सोलंकी, कोमल जैन, कमलेश कुमार सहित अनेक सदस्यों ने विभिन्न विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए तथा संगठन के विकास और समाजहित में अधिकाधिक गतिविधियां संचालित करने पर बल दिया। बैठक में निर्णय लिया गया कि कर्नाटक राज्य के नए मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार से मुलाक़ात कर राज्य सरकार की अल्पसंख्यक कल्याण की योजनाओं को बेहतर एवं सरल बनाने की कोशिश करने का अनुरोध करेंगे। बैठक में अन्य विषयों पर भी चर्चा हुई। फोरम ने सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

सभी धर्मों का अभिन्न अंग है योग : राष्ट्रसंत कमलेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के राजाजीनगर जैन स्थानक में विराजित राष्ट्रसंत कमलमुनिजी कमलेश ने बुधवार को उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि आध्यात्मिक चेतना को जागृत करने के लिए योग साधना रूपी ऑक्सीजन महत्वपूर्ण है। धर्म का अभिन्न अंग है योग। सभी धर्म में योग को महत्वपूर्ण स्थान ही नहीं दिया बल्कि उसे जीवन के साथ जोड़ने का मार्ग प्रशस्त किया। योग अपने आप में रामबाण औषधि है जिसके माध्यम से असाध्य बीमारियों से मुक्ति पाई जा सकती है। आज का विज्ञान और डॉक्टर भी योग की शक्ति का लोहा मान रहे हैं और स्वयं भी अपना रहे हैं। संतश्री ने कहा कि सूर्य प्रणाम हो अथवा नवाज सभी धार्मिक क्रियाएं करने के लिए योग प्रवेश द्वार है। इसके बिना आध्यात्मिकता में प्रवेश तीन काल में भी संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि योग को सांप्रदायिकता की नजरिया से देखना नादानी के लक्षण हैं, सरासर अन्याय और अज्ञान है।

महापुरुषों के आध्यात्मिक ज्ञान का अपमान करने के समान है। पूरे विश्व में योग का जादू सर पर चढ़कर बोल रहा है, इससे नई ऊर्जा का संचार होता है, शरीर मजबूत बनता है, बुढ़ापा जल्दी नहीं आता है, आत्मा के लगे कर्मों की निर्जरा में भी इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके द्वारा केवल ज्ञान प्राप्त करके मोक्ष तक प्राप्त किया जा सकता है, सभी तीर्थंकरों ने योग को अपनाया है। जैन संत ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को होली, दिवाली, ईद, रमजान से भी ज्यादा उत्साह उमंग के साथ मनाना चाहिए।

तेयुप राजराजेश्वरीनगर की नई कार्यकारिणी समिति ने ली शपथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ युवक परिषद आरआर नगर के दायित्व बोध ग्रहण समारोह बुधवार को एमबीआर शांग्रिला अपार्टमेंट में मुनिश्री आकाश कुमार जी व हितेंद्र कुमार जी के सान्निध्य में सम्पन्न हुआ। जैन संस्कार विधि से शपथ ग्रहण कार्यक्रम हुआ। कार्यवाही अध्यक्ष विक्रम महेर ने सभी का स्वागत करते हुए नवमनोनीत अध्यक्ष सरल पटावरी को शपथ दिलवाई। पटावरी ने अपनी नई टीम की घोषणा करते हुए बरुन पटावरी व गौतम नाहटा को उपाध्यक्ष, संदीप बैद को मंत्री, महेश मांडोत व हिमांशु छाजेड़ को सहमंत्री, पंकज बैद को कोषाध्यक्ष, सौरव दुगड़ को संगठन मंत्री पद कर शपथ दिलाई। अध्यक्ष ने तन, मन, धन से धर्मसंघ की सेवा करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अभातेयुप के संगठन मंत्री रोहित कोठारी ने शुभकामनाएं दी। ङ्ग मुनिश्री आकाश कुमारजी ने नए अध्यक्ष को मंगल पाठ श्रवण कराते हुए शुभकामनाएं दी। मुनिश्री हितेन्द्र कुमारजी ने सभी युवकों को बारह व्रत धारण करने की प्रेरणा दी। इस मौके पर विमल कटारिया, सभा के अध्यक्ष कमल दुगड़, महिला मंडल की अध्यक्षा मंजू बोथरा, अभातेमम की सहमंत्री मधु कटारिया, राजस्थान परिषद के अध्यक्ष संजय बैद ने नए पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम का संचालन मंत्री संदीप बैद ने किया सहमंत्री महेश मांडोत ने धन्यवाद दिया।

महिला सशक्तिकरण के लिए विशेष वित्तीय प्रबंधन कार्यशाला आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (जीतो) नार्थ लेडीज़ विंगद्वारा डिग्रिटरी एवं सीएफई प्रकोष्ठ के अंतर्गत बुधवार को 'वेल्थ एंड विजडम' पहल के तहत महिलाओं के लिए विशेष वित्तीय प्रबंधन सत्र का आयोजन आदर्श महाविद्यालय में किया गया। इस अवसर पर जीतो बेंगलूरु नॉर्थ के चेयरमैन विमल कटारिया, केकेजी ज़ोन संयोजक पिंकी जैन, अपेक्स जे-पॉइंट एवं जेआईआईएफ संयोजक अनीता पिरगल, आदर्श ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के अध्यक्ष पदमराज मेहता, नेमीचंद दलाल व मधु कटारिया विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन संयोजिका सुमन रांका एवं सह-संयोजिका प्रियंका कोटड़िया ने किया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित फैब वेल्थ के सह-संस्थापक एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट आकाश पिरगल ने स्मार्ट निवेश, धन सृजन, कर नियोजन, सेवानिवृत्ति सुरक्षा, वित्तीय स्वतंत्रता तथा सोना-चांदी जैसे वास्तविक निवेश विकल्पों पर महत्वपूर्ण एवं उपयोगी जानकारी साझा की।

कार्यक्रम में कुल 175 प्रतिभागियों ने सहभागिता की। प्रश्नोत्तर सत्र, आकर्षक उपहारों एवं आपसी परिचय-समन्वय गतिविधियों ने कार्यक्रम को और अधिक रोचक बना दिया। प्रियंका कोटड़िया ने आभार ज्ञापित किया।

हिरासत में यातना के दौरान मारे गए दलित युवक का अंतिम संस्कार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। तमिलनाडु में मार्च में पुलिस हिरासत में कथित तौर पर प्रताड़ित किए जाने के ''कारण'' मारे गए 26 वर्षीय दलित युवक का बुधवार को कड़ी सुरक्षा के बीच यहां एक विद्युत शवदाह गृह में अंतिम संस्कार किया गया। मद्रास उच्च न्यायालय की मदुरै पीठ द्वारा सख्त निर्देश दिए जाने पर, मौत के 101 दिन बाद उसका अंतिम संस्कार किया गया। इससे पहले, परिवार के सदस्यों ने हिरासत में कथित तौर पर ''हत्या'' में शामिल सभी पुलिस कर्मियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग करते हुए शव को लेने से इनकार कर दिया था। शिवगंगा जिले के मनामदुरै के रहने वाले आकाश को स्थानीय पुलिस ने मारपीट के एक मामले में छह मार्च को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने दावा किया था कि भागने के प्रयास के दौरान उसके पैर की हड्डी टूट गई थी लेकिन आकाश ने न्यायिक मजिस्ट्रेट के सामने कथित तौर पर बयान दर्ज कराया था कि पुलिसकर्मियों ने उसे बेरहमी से पीटा और उसका पैर तोड़ दिया।

मदुरै के सरकारी राजाजी अस्पताल में आठ मार्च को उसकी मौत हो गई और बाद में पोस्टमार्टम में उसके शरीर पर लगभग 28 चोटों का पता चला। इसके बाद व्यापक पैमाने पर आक्रोश फैल गया और परिजनों तथा अनुसूचित जाति कल्याण संगठनों ने विरोध प्रदर्शन किए। विरोध प्रदर्शन के बाद नौ मार्च को मामले की जांच अपराध शाखा-अपराध अन्वेषण विभाग (सीबी-सीआईडी) को सौंप दी गई और एक निरीक्षक एवं एक उपनिरीक्षक सहित छह पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया।

मद्रास उच्च न्यायालय ने मामले का स्वत: संज्ञान लेते हुए सीबी-सीआईडी को आरोपी अधिकारियों के खिलाफ हत्या और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज करने का 13 मार्च को निर्देश दिया। सीबी-सीआईडी ने मनामदुरै के पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) राजा और कई निरीक्षकों सहित 11 कर्मियों से पूछताछ की है। पीड़ित के पिता राजेश कन्नन ने 50 लाख रुपये के मुआवजे और घटना से कथित तौर पर जुड़े सभी 16 पुलिस कर्मियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग को लेकर उच्च न्यायालय का रुख किया था और परिवार ने मनामदुरै में पुराने बस अड्डे के पास लगातार धरना दिया था। उच्च न्यायालय ने सोमवार को आदेश दिया कि यदि परिवार उसी दिन शाम पांच बजे तक शव स्वीकार नहीं करता है, तो स्थानीय प्रशासन सम्मानजनक ढंग से उसका अंतिम संस्कार कराए।

आचार्यश्री नित्यानंदसूरी ने जीतो हुब्बल्ली गर्ल्स हॉस्टल का किया दौरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। गच्छाधिपति आचार्यश्री नित्यानंदसूरीश्वरजी व अन्य संतों ने बुधवार को जीतो गर्ल्स हॉस्टल और एज्यूकेशन सेंटर का दौरा किया। इस मौके पर जीतो हुब्बल्ली चैप्टर फाउंडेशन, गर्ल्स हॉस्टल और एज्यूकेशन सेंटर के पदाधिकारियों ने संतों का स्वागत किया। भारत सरकार द्वारा प्रतिष्ठित पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित आचार्यश्री समाज में, विशेषकर शिक्षा के क्षेत्र में अपने उल्लेखनीय योगदान के लिए व्यापक रूप से जाने जाते हैं। उनकी प्रेरणा और मार्गदर्शन में देश भर में 200 से अधिक शिक्षण संस्थान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहे हैं और हजारों छात्रों का भविष्य संवार रहे हैं। इस यात्रा के दौरान आचार्यश्री ने हॉस्टल में रहने वाले विद्यार्थियों को आशीर्वाद दिया और युवाओं में शिक्षा, सशक्तिकरण और चरित्र निर्माण को बढ़ावा देने के लिए जीतो के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने उपस्थित सभी लोगों से अपने दैनिक जीवन में मूल्यों, अनुशासन और करुणा को बनाए रखने का आह्वान किया और नैतिक व आध्यात्मिक विकास के साथ-साथ शिक्षा के महत्व पर जोर दिया। कार्यक्रम का समापन आचार्यश्री के मंगल पाठ और आशीर्वाद के साथ हुआ। कार्यक्रम में चेयरमैन भंवरलाल जैन सहित अनेक गणमान्य लोगों ने भाग लिया।

बेंगलूरु में कारोबारी का अपहरण कर 1.09 करोड़ की लूट, सात पर मुकदमा दर्ज

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । बेंगलूरु के बाहरी इलाके में एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है, जहां एक कारोबारी और उसके चालक का कथित रूप से अपहरण कर 1.09 करोड़ रुपये लूट लिए गए। पुलिस ने इस मामले में सात अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार, यशवंतपुर निवासी आरआई शिवाशंकर एक सुरक्षा एजेंसी का संचालन करते हैं। उन्होंने बताया कि वह लंबे समय से प्राचीन धातुओं (एंटीक मेटल) के कारोबार से जुड़े रहे हैं और विजयवाड़ा के मोहम्मद परवेज, गिप्सन तथा हैदराबाद के अलीम को करीब दस वर्षों से जानते हैं। चारों ने मिलकर 'अमेरिकन न्यूक्लियर रिसर्च सेंटर' नाम से कारोबार शुरू करने की योजना बनाई थी और पिछले एक वर्ष से निवेश कर रहे थे। शिवाशंकर के अनुसार, 13 जून को उनके सहयोगियों ने कोडिगेहल्ली स्थित एक होटल में उन्हें 35 लाख रुपए नकद दिए थे, जिन्हें उन्होंने अपने घर पर सुरक्षित रखा। इसके बाद 15 जून को उन्होंने और उनके चालक ने यलहंका स्थित श्रेयस रेजिडेंसी से 74 लाख रुपए और प्राप्त किए तथा कार से अपने घर के लिए रवाना हुए।

शिकायत में कहा गया है कि रात करीब 11:05 बजे यलहंका-हेब्बाल-गोरगुंटेपल्या-मदनायकनहल्ली मार्ग पर कुडुरेगेरे कॉलोनी के पास गणेश मंदिर के निकट दो व्यक्तियों ने ड्यूक मोटरसाइकिल और पांच अन्य लोगों ने एर्टिगा कार से उनकी कार को रोक लिया। आरोप है कि हमलावरों ने चाकू और बीयर की बोतलों के साथ कारोबारी और चालक के साथ मारपीट की तथा उन्हें जबरन एर्टिगा कार में बैठा लिया।

सुरेश धोका और दिलीप कोठारी बने विभिन्न योजनाओं के चेयरमैन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। लायंस क्लब इंटरनेशनल जिला 317एफ के तहत क्षेत्रीय अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद के नेतृत्व में डिस्ट्रिक्ट जोन एडवाइजरी सभा का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम सिटी आनंद के अध्यक्ष सुरेश धोका ने सभी का स्वागत किया। इस मौके पर विभिन्न कल्ब के पदाधिकारियों ने अपनी अपनी वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस अवसर पर क्षेत्रीय अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि इस वर्ष भी सभी के सहयोग से जरूरतमंद परिवार के लिए 1500 कंबल, 'नम्मा पात्रा प्रोजेक्ट' के तहत 200 बर्तन के किट, मल्लेश्वरम स्थानक में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा। वर्ष 2026-27 हेतु सुरेश धोका को शहरी इलाकों के 'नम्मा पात्रा' लिए एवं दिलीप कोठारी को ग्रामीण हेतु चेयरमैन नियुक्त किया गया। सर्वसम्मति से अभिषेक बांठिया को सिटी आनंद का अध्यक्ष एवं सौभाग्या की स्नेहमिलन क्लब का अध्यक्ष घोषित किया गया। इस अवसर पर अनेक सदस्य उपस्थित थे।

हार्दिक स्मरणांजलि

जन्म 08.02.1945
देहावसान 07.06.2026

स्व. श्री नन्दकिशोरजी मालू

हमारे उदारमना संरक्षक, प्रेरणास्रोत एवं सुदृढ़ आधार स्तंभ

उनका स्नेहपूर्ण मार्गदर्शन, सौम्य एवं विनम्र व्यक्तित्व तथा समाज एवं संस्कृति के प्रति उनका समर्पित योगदान सदैव हमारे लिए प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा। उनकी अमूल्य स्मृतियां हमारे हृदय एवं मानस पटल पर सदैव अंकित रहेगी।

उनके आदर्श, संस्कार एवं जीवन मूल्य आने वाली पीढ़ियों का पथ प्रदर्शन करते रहेंगे।

शत् शत् नमन एवं विनम्र श्रद्धांजलि

सौरभ
कला एवं सांस्कृतिक विकास हेतु कटिबद्ध
(सौरभ सांस्कृतिक संस्थान, बेंगलूरु द्वारा संचालित)

केरल सरकार 'पीएम श्री' योजना से बाहर नहीं आयेगी, इसे सशर्त लागू करेगी : सतीशन

तिरुवनंतपुरम। केरल सरकार ने बुधवार को संकेत दिया कि वह केंद्र की 'पीएमश्री' योजना से बाहर नहीं आयेगी, बल्कि इस पहल को सशर्त लागू करने की कोशिश करेगी ताकि राज्य को पाठ्यक्रम तय करने की आजादी मिल सके। अपनी अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक के बाद मुख्यमंत्री वी डी सतीशन ने यहां प्रेसवार्ता में कहा कि उन्होंने गैर-भाजपा शासित राज्यों के अपने समकक्षों के साथ इस मामले पर चर्चा की है और वे इस योजना को लागू करने के लिए सहमत हो गए हैं। उन्होंने कहा कि इस पहल के सभी पहलुओं का अध्ययन करने के लिए चार मंत्रियों की एक मंत्रिमंडलीय उपसमिति बनाई गई है। सतीशन ने इस योजना से पीछे न हटने संबंधी अपने प्रशासन के फैसले को सही ठहराते हुए कहा कि वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) की पिछली सरकार ने केंद्र के साथ पहले ही एक समझौता कर लिया था और इस पहल के तहत लगभग 99 करोड़ रुपए भी हासिल किए थे। उन्होंने कहा, ''सरकार ने अतिरिक्त 106 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। ऐसे हालात में, हमें इसे जारी रखने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। इसके अलावा, केंद्र द्वारा वसूले गए कर से राज्य का लगभग 1,100 करोड़ रुपये का हक बनता है, जो हमें मिलना चाहिए।'' मुख्यमंत्री संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के विधानसभा चुनाव अभियान से जुड़े कई सवालों का जवाब दे रहे थे। चुनाव प्रचार के दौरान यूडीएफ ने कहा था कि अगर वह केरल में सत्ता में आता है तो इस योजना से हट जायेगा। उन्होंने दावा किया कि यूडीएफ ने सिर्फ इस बात का विरोध किया कि समझौता कैसे किया गया और आरोप लगाया कि उस समय मंत्रिमंडल में शामिल भाकपा के मंत्रियों को इस बारे में जानकारी नहीं दी गई थी।

सतीशन ने कहा कि सरकार को अब यह देखना है कि इस मामले में आगे कैसे बढ़ा जाए और साथ ही यह भी सुनिश्चित करना है कि राज्य में कोई सांप्रदायिक एजेंडा लागू न हो; इसीलिए मंत्रिमंडल की एक उपसमिति बनाई गई है। सतीशन ने कहा कि इस उप-समिति में एन शम्सुद्दीन, रोजी एम जॉन, पी सी विष्णुनाध और एम लिजू शामिल हैं।उन्होंने कहा कि यह उपसमिति 'प्रधानमंत्री स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया' (पीएमश्री) योजना से जुड़े सभी मामलों का अध्ययन करेगी। सतीशन ने कहा कि उपसमिति की रिपोर्ट के आधार पर सरकार इस पहल को आगे बढ़ाने के लिए अपनी शर्तें रखेगी जैसे कि राज्य को अपना पाठ्यक्रम तय करने और उन स्कूलों को चुनने की आजादी जहां यह योजना लागू की जाएगी। पिछली एलडीएफ सरकार के समय, केंद्र के साथ पीएमश्री' समझौते पर हस्ताक्षर करने को लेकर एक राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया था, क्योंकि मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी की सहयोगी पार्टी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने इस पहल का कड़ा विरोध किया था, जिसके कारण वाममोर्चा सरकार को इसे रोकना पड़ा था।

श्री सालासर बालाजी सेवा समिति, बेंगलूरु

भूमि सहयोग योगदान
बालाजी की दिव्य विरासत का हिस्सा बनें

जैसा कि श्री सालासर बालाजी का आशीर्वाद देशभर से भक्तों को आकर्षित करता रहता है हम मंदिर के विस्तार के लिए समीपवर्ती भूमि के अधिग्रहण के एक पवित्र मिशन पर आगे बढ़ रहे हैं। आपका योगदान भावी पीढ़ियों के भक्तों के लिए एक बड़ा आध्यात्मिक स्थल बनने में मदद करेगा ।

भूमि सहयोग योगदान

हीरा	10 वर्ग फुट	रु. 2,10,000
प्लेटिनम	05 वर्ग फुट	रु 1,05,000
सोना	02 वर्ग फुट	रु. 42,000
चांदी	01 वर्ग फुट	रु 21,000

बैंक : भारतीय स्टेट बैंक खाता नाम : श्री सालासर बालाजी सेवा समिति
विवरण : खाता संख्या : 43734999100 आईएफएससी : SBIN0006959

सम्पर्क प्रमोद मुरारका : 98450 25200 सतीश मित्तल : 98801 93400
मानित सोमानी : 93421 60594 ललित भौतिका : 98450 20032

हम सिर्फ एक मंदिर नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक विरासत का निर्माण कर रहे हैं।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**